राष्ट्रीय दैनिक

बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

लखनऊ,कानपुर,कन्नौज,बरेली,सीतापुर,सोनभद्र,गोण्डा,बाराबंकी,बलरामपुर,श्रावस्ती,बहराइच,अम्बेडकरनगर,फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर,गोरखपुर,कुशीनगर,देवरिया,महराजगंज,सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

बोनी कपूर ने दिग्गज अभिनेत्री श्रीदेवी ...8

दैनिक बुद्ध का संदेश | 9795951917,9415163471 | @budhakasandesh | budhakasandeshnews@gmail.com | www.budhakasandesh.com

मंगलवार, 14 फरवरी 2023 सिद्धार्थनगर संस्करण | www.budhakasandesh.com | वर्षः 10 अंकः 55 पृष्ठ 8 आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ सुचीबद्ध कोड– SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी.कोड–133569 | सम्पादक : राजेश शर्मा | उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

राजनाथ बोलेः हमारी सरकार ने दूरगामी सुधार किए हैं, व्यापार के अनुकूल बना माहौल

बेंगलुरु। एयरो इंडिया 2023 के CEO राउंडटेबल कॉन्क्लेव को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और एक रोमांचक भविष्य की ओर अग्रसर है। हमें उम्मीद है कि अगले 5 साल में हम तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएंगे। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि भारतीय रक्षा विनिर्माण उद्योग हमारी तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के प्रमुख चालकों में से एक है। उन्होंने कहा कि सरकार अपनी लोकतांत्रिक वैधता और सामाजिक जनादेश के साथ नीति निर्माण, सुविधा और विनियमन का काम कर रही है। दूसरी ओर निजी

उद्यमियों द्वारा फर्म स्तर पर समाज के संसाधनों के इष्टतम उपयोग की जिम्मेदारी का निर्वहन किया जा रहा है। रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और एक रोमांचक भविष्य की ओर अग्रसर है। हमें उम्मीद है कि अगले पांच साल में हम तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएंगे। भारतीय रक्षा विनिर्माण उद्योग हमारी तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के प्रमुख चालकों में से एक है। इसके सामरिक महत्व और जबरदस्त मूल्य सृजन क्षमता के कारण, सरकार ने इसे एक प्रमुख क्षेत्र के रूप में चिन्हित किया है जो हमारे आत्मनिर्भरता मिशन को बढ़ावा देगा। रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत जैसे आकार और वैश्विक प्रमुखता वाला देश आयातित हथियारों पर भरोसा नहीं कर सकता, क्योंकि ऐसी निर्भरता अनिवार्य रूप से हमारे देश की रणनीतिक स्वायत्तता से समझौता करेगी। 2014 से, आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य का सख्ती से पालन किया गया है। राजनाथ ने साफ तौर पर कहा कि हमारा उद्देश्य देश में एक जीवंत और विश्व स्तरीय रक्षा निर्माण उद्योग का पोषण करना है। उन्होंने कहा कि इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए, हमारी सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में दूरगामी सुधार के उपाय किए हैं, जिसका उद्देश्य व्यापार के अनुकूल माहौल बनाना है। उन्होंने कहा कि हमने नई और गतिशील इकाइयों के प्रवेश को सुगम बनाने के लिए लाइसेंसिंग प्रक्रिया को सरल बनाया है। हमने विदेशी ओईएम को आसानी से भारत में सुविधाएं स्थापित करने की अनुमति देने के लिए एफडीआई की सीमा बढ़ा दी है।

पीयूष गोयल ने विपक्ष पर लगाया सदन को नहीं चलने देने का आरोप, माफी की मांग की

नई दिल्ली। संसद का बजट सत्र चल रहा है। राज्यसभा में आज जबरदस्त तरीके से हंगामा देखने को मिला। हंगामे की वजह से राज्यसभा की कार्यवाही 13 मार्च तक के लिए स्थगित कर दी गई। अडाणी मुद्दे को लेकर विपक्षी सांसदों ने केंद्र सरकार के खिलाफ जबरदस्त तरीके से नारेबाजी की। इन सबके बीच केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने विपक्ष पर सदन को नहीं चलने देने का आरोप लगाया है। अपने बयान में पीयूष गोयल ने कहा कि जिस तरह से सदन में आकर विपक्ष हंगामा कर के कार्यवाही नहीं चलने दे रही ये बहुत ही गलत है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि जिन्होंने चेयर का अपमान किया, नियम तोड़े उन्हें माफी मांगनी चाहिए।

पीयूष गोयल ने यह भी कहा कि इसके बाद वे अपना प्रस्ताव ले आए, सदन अपने विवेक से उसपर निर्णय लेगा। उन्होंने कहा

कि बार–बार अनुरोध करने के बावजूद विपक्ष ने सदन को चलने नहीं दिया। उन्होंने आरोप लगया कि विपक्ष सदन न चलने देने का फैसला कर के ही सदन में आते हैं। राज्यसभा में सदन के नेता ने कहा कि दुख होता है जब सदस्य बहुत ही गंभीर विषय उठाना चाहें लेकिन उन्हें मौका नहीं मिले। ये सदस्यों के अधिकारों का भी उल्लंघन है। उल्लेखनीय है कि संसद के बजट सत्र के पहले चरण का आज आखिरी दिन था। सत्र के दूसरे चरण की शुरुआत 13 मार्च को होगी। एक बार के स्थगन के बाद 11रू50 बजे बैठक शुरू होने पर भी सदन में हंगामा जारी रहा और सत्ता पक्ष ने एक बार फिर अडाणी समूह से जुड़े मामले की जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) गठित करने और रजनी पाटिल का निलंबन वापस लेने की मांग की। इस मुद्दे पर विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच ही सभापति जगदीप धनखड़ ने पहले शून्यकाल और फिर प्रश्नकाल चलाने का प्रयास किया। लेकिन जेपीसी की मांग कर रहे विपक्षी सदस्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। धनखड़ ने हंगामा कर रहे सदस्यों से सदन चलने देने की बार–बार अपील की। लेकिन अपनी अपील का असर नहीं होते देख उन्होंने 12रू05 बजे बैठक 13 मार्च तक के लिए स्थगित कर दी।

अब सांसद भी नहीं रह पाएंगे राहुल गांधी?

जवाब नहीं दिया तो गंवानी पड़ जाएगी लोकसभा सदस्यता, जानें क्या है पूरा मामला

नई दिल्ली। लोकसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषण के दौरान की गई टिप्पणी को लेकर राहुल गांधी विवादों में घिर गए हैं। लोकसभा सचिवालय की ओर से राहुल गांधी को नोटिस जारी कर 15 फरवरी तक जवाब मांगा गया है। बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे और संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया था। निशिकांत दुबे ने कहा कि बिना स्पीकर को नोटिस दिए प्रधानमंत्री पर इस तरह के आरोप नहीं लगाए जा सकते। नोटिस में हमने कहा है कि 15 फरवरी तक राहुल गांधी

अपने बयान का सबूत पेश करें। यदि वह ऐसा करने में असमर्थ है तो उन्हें क्षमा याचना करनी होगी। अगर उन्होंने माफी भी नहीं मांगी तो उन्हें अपनी लोकसभा सीट गंवानी पड़ेगी।

राहुल गांधी ने क्या आरोप लगाए?

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान राहुल गांधी ने लोकसभा में अपने भाषण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कई आरोप लगाए। उन्होंने कुछ कारोबारियों की संपत्ति बढ़ने की ओर इशारा करते हुए प्रधानमंत्री मोदी से संबंध होने की बात कही। उन्होंने अडानी और पीएम मोदी के बीच दोस्ती का दावा किया। इसके बाद 10 फरवरी को लोकसभा सचिवालय की ओर से नोटिस जारी किया गया। इसमें राहुल गांधी से श्अपमानजनक, असंसदीय और भ्रामक बयानश बताते हुए जवाब मांगा गया है। बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने 8 फरवरी को स्पीकर ओम बिरला को पत्र लिखकर राहुल गांधी के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया था।

क्या राहुल गांधी को निलंबित किया जा सकता है?: अध्यक्ष को किसी भी सदस्य को सदन से निष्कासित या निलंबित करने का अधिकार है। अगर कोई स्पीकर के आदेश की अवहेलना करता है तो उसे निलंबित किया जा सकता है। लोकसभा प्रक्रिया और कार्य संचालन नियम 373, 374 और 374। के तहत, यदि कोई सदस्य सदन के नियमों की अवहेलना करता है, तो उसे अधिकतम पांच बैठकों या शेष सत्र के लिए निलंबित किया जा सकता है। जबकि 256 के तहत कार्रवाई की जा राज्यसभा में नियम 255 और सकती है।

महा लेखाकार का प्रमाणपत्र मिलते ही जीएसटी बकाया जारी कर देगा केंद्रः सीतारमण

नयी दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को लोकसभा में कहा कि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) से जुड़े बकाये की राशि महा लेखाकार (एजी) का प्रमाणपत्र मिलने के बाद जारी कर दी जाती है, लेकिन कई राज्यों से यह प्रमाणपत्र नहीं मिला है। उन्होंने सदन में द्रमुक सांसद ए राजा के पूरक प्रश्न के उत्तर में यह भी कहा कि राज्यों को एजी प्रमाणपत्र देने को लेकर 'सक्षम' होना पड़ेगा। सीतारमण ने कहा, ''जीएसटी मुआवजा कब दिया जाएगा, यह फैसला केंद्र सरकार नहीं करती।

करती है। इस परिषद में सभी राज्यों के वित्त मंत्री बैठकर फैसला करते हैं।'' उनका कहना था कि जीएसटी से जुड़ी मुआवजा राशि जारी करने में विलंब केंद्र के स्तर पर नहीं हो रहा है, यह विलंब राज्यों की ओर से एजी प्रमाणपत्र नहीं देने के कारण हो रहा है। सीतारमण ने कहा, ''मैं सदन को बताना चाहती हूं कि राज्य सरकार को इसे लेकर प्रमाणपत्र दिया जाए।'' उन्होंने केरल से आरएसपी के एन के प्रेमचंद्रन के पूरक प्रश्न के उत्तर में कहा कि राज्य सरकार ने पिछले कई वर्ष से एक भी एजी प्रमाणपत्र नहीं भेजा है, इसलिए जीएसटी बकाया जारी नहीं किया जा सका है। वित्त मंत्री ने कहा कि वित्त आयोग की सिफारिश के अनुसार बकाया राशि के लिए भुगतान के लिए एजी का प्रमाणपत्र जरूरी है। उन्होंने कहा कि यदि सदस्य राज्य सरकार के साथ बैठकर सारे वर्ष के प्रमाणपत्र एक बार में भी केंद्र को भिजवा देंगे, तो तुरंत उसकी बकाया राशि जारी कर दी जाएगी। सीतारमण ने कहा कि इसके लिए केंद्र को जिम्मेदार ठहराना ठीक नहीं है।

भरोसे के लिये लोगों को सुनना जरूरी, अधिकारों को बुलडोजर के नीचे कुचलना नहीं : प्रियंका गांधी

नयी दिल्ली। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाद्रा ने सोमवार को जम्मू–कश्मीर में चल रहे अतिक्रमण विरोधी अभियान को लेकर सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि शांति और विश्वास के लिए आम लोगों की बात सुनना जरूरी है न कि "बुलडोजर के नीचे उनके अधिकारों को कुचलना"। कांग्रेस, नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी जैसे प्रमुख राजनीतिक दलों ने इस अभियान के खिलाफ अपनी चिंता व्यक्त की है और इसे तत्काल समाप्त करने की मांग की है। राजस्व विभाग के

आयुक्त सचिव विजय कुमार बिधूड़ी के सभी उपायुक्तों को सात जनवरी से जम्मू–कश्मीर में सरकारी जमीन से 100 प्रतिशत अतिक्रमण हटाना सुनिश्चित करने के निर्देश के बाद अब तक जम्मू–कश्मीर में 10 लाख कनाल (एक कनाल = 605 वर्ग गज) से अधिक भूमि को पुनः कब्जे में लिया जा चुका है। हिंदी में किए गए एक ट्वीट में प्रियंका ने आरोप लगाया कि लद्दाख में अपने संवैधानिक अधिकारों की बहाली की मांग कर रहे लोगों के साथ ज्यादती की जा रही है। कांग्रेस महासचिव ने दावा किया, "कश्मीर में आम जनों की सुनवाई किए बिना उनके घरों पर बुलडोजर चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा, "देश लोगों से बनता है। शांति व भरोसे के लिए आम लोगों की बात सुनना जरूरी है, न कि उनके अधिकारों को बुलडोजर तले कुचलना।" उन्होंने जम्मू–कश्मीर में बेदखली अभियान पर मीडिया में आई खबरों के स्क्रीन शॉट भी ट्वीट के साथ संलग्न किए।

फिनटेक स्टडी में भारत सबसे ऊपर

सिंगापुर दूसरे स्थान पर, साल 2000 से 2022 तक का सर्वेक्षण शामिल

नई दिल्ली। भारत में अधिकतर लोग अब डिजिटल प्लेफॉर्म पर शिफ्ट हो गए हैं। पढ़ाई, शॉपिग से लेकर बैंकिंग सिस्टम भी ऑनलाइन हो गया है। डिजिटल क्षेत्र में भारत की तेजी से बढ़ती उड़ान की वजह से उसे फिनटेक के शोध में पहला स्थान मिला है। रोबोकैश ग्रुप द्वारा जारी एक रिपोर्ट में नौ दक्षिण एशियाई और दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के एक फिनटेक अध्ययन में भारत शीर्ष राष्ट्र के रूप में सामने आया है। दक्षिण एशियाई राष्ट्र कई श्रेणियों में पहले स्थान पर आया, जिसमें सबसे अधिक धनराशि और कुल राजस्व शामिल है। अध्ययन में शामिल वर्षों यानी 2000 से 2022 तक में सर्वेक्षण में चार क्षेत्रों में कुल 25.6 बिलियन अमरीकी डालर जुटाए गए, जो इस क्षेत्र में प्राप्त सभी धन का 48 प्रतिशत है। रोबोकैश दक्षिण पूर्व एशिया फिनटेक इंडेक्स में भी भारत अग्रणी काउंटी के रूप में उभरा है। सिंगापुर दूसरे और इंडोनेशिया तीसरे स्थान पर रहा। रोबोकैश रिपोर्ट का उद्देश्य दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशियाई क्षेत्र के परिपक्व और उभरते देशों, अर्थात् भारत, इंडोनेशिया, सिंगापुर, फिलीपींस, वियतनाम, मलेशिया, बांग्लादेश, पाकिस्तान और श्रीलंका में वित्तीय प्रौद्योगिकियों के विकास की समझ हासिल करना है। सर्वेक्षण के लिए निम्नलिखित चार फिनटेक क्षेत्रों को चुना गया – भुगतान और हस्तांतरण, वैकल्पिक उधार, ई–वॉलेट और डिजिटल बैंकिंग। अध्ययन के उद्देश्य के लिए, केवल उन कंपनियों का चयन किया गया जो किसी विशेष देश के क्षेत्र में स्थित हैं, जबकि विदेशी संस्थाओं को बाहर रखा गया था।

मेले में गैस सिलेंडर फटने से चार की मौत, पांच अन्य घायल

बरूईपुर। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले में एक गांव के मेले में गैस सिलेंडर फटने से चार लोगों की मौत हो गयी और पांच अन्य घायल हो गये। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, घटना जॉयनगर थाना क्षेत्र के बंतरा गांव में रविवार रात करीब 10 बजकर 10 मिनट पर हुई। पुलिस ने बताया कि गुब्बारा विक्रेता द्वारा गुब्बारे को भरने के लिए गैस सिलेंडर का इस्तेमाल किया जा रहा था। तभी यह हादसा हुआ। पुलिस के मुताबिक, हादसे में मारे गए लोगों की पहचान साहिन मोल्ला (13), कुतुबुद्दीन मिस्त्री (35), अबीर गाजी (8) और गुब्बारा विक्रेता मुचिराम मंडल (35) के रूप में हुई है। सभी घायलों को बारुईपुर अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

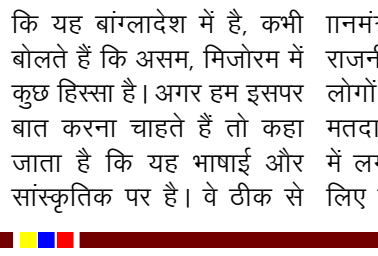

चुनावी सरगर्मियों के बीच त्रिपुरा के सीएम ने बताया, आखिर क्यों जरूरी है डबल इंजन की सरकार

त्रिपुरा विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार अपने आखिरी चरण में है। सत्तारूढ़ भाजपा के अलावा विपक्षी दल भी लगातार चुनाव प्रचार में अपना दम दिखाने की कोशिश कर रहे हैं। दोबारा सत्ता में वापसी के लिए भाजपा पूरी मेहनत भी कर रही है। इन सब के बीच त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने न्यूज एजेंसी एएनआई से बातचीत में बताया है कि आखिर राज्य में डबल इंजन की सरकार की जरूरत क्यों है। अपने बयान में माणिक साहा ने कहा कि अगर एक ही पार्टी की सरकार होती है तो कुछ भी चीज मांगने में आसानी हो जाती है। इसके साथ ही साहा ने कहा कि मैंने पहले भी देखा था कि केंद्रीय मंत्रियों से मिलने में बहुत मुश्किल होती थी। अगर एक ही सरकार होगी तो समय

भी तुरंत मिल जाता है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि ऐसा पहले कभी नहीं था और जनता इसको समझती भी है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि कम्युनिस्ट (सरकार) को लोकतांत्रिक तरीके से हटाना भारत के इतिहास में ऐसा शायद पहली बार हुआ है। इस वजह से भी त्रिपुरा जरूरी है। इतने लोगों को अपने जीवन का बलिदान देना पड़ा और ऐसा फिर से न हो इसलिए हमारे पार्टी के नेता भी चिंतित रहते हैं। ग्रेटर टिपरालैंड को लेकर पूछे गए सवाल पर भी उन्होंने बड़ी बात कही है। त्रिपुरा के ब्ड ने कहा कि मैंने बार–बार कहा कि ग्रेटर टिपरालैंड की सीमा कहां है? कभी बोलते हैं कि यह बांग्लादेश में है, कभी बोलते हैं कि असम, मिजोरम में कुछ हिस्सा है। अगर हम इसपर बात करना चाहते हैं तो कहा जाता है कि यह भाषाई और सांस्कृतिक पर है। वे ठीक से इसको परिभाषित नहीं कर पा रहे हैं। विपक्ष पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि यह लोग (कांग्रेस, वाम दल) पारंपरिक राजनीति कर रहे हैं लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूरी राजनीति ही बदल दी है। किन लोगों के साथ रहने से कितने मतदान मिलेंगे यह लोग उसी में लगे हैं, लेकिन ठश्रच सबके लिए काम करती है।

देश में आउटसोर्सिंग से भर्ती मामले में शासनादेश हुआ बेअसर

सेवायोजन पोर्टल पर एक अभ्यर्थी की कई आईडी जनरेट होने से रैंडम चयन में हो रहा घोटाला

बहराइच। राज्य सरकार भले ही सरकारी विभागों और उससे संबद्ध संस्थाओं में आउटसोर्सिंग से होने वाली भर्ती में पारदर्शिता लाने हेतु शासनादेश जारी कर गड़बड़ी पर काबू पाने के लिए गंभीर हो लेकिन सेवा प्रदाताओं द्वारा सेवायोजन विभाग में अभ्यर्थियों के मोबाइल नंबर के आधार पर कई आईडी जनरेट होने का लाभ उठाते हुए रैंडम आधार में सेंध लगाकर भर्तियों में धन उगाही कर सरकार को ध ोखा दिया जा रहा हैस

ज्ञात हो कि सरकारी विभागों एवं संस्थाओं में भर्ती के नाम पर सेवा प्रदाता कंपनियों द्वारा धन उगाही की शिकायतें बराबर आती रही हैं इससे शासन व प्रशासन सभी अवगत हैं इस भर्ती में गड़बड़ी को रोकने के लिए सरकार ने जेम पोर्टल तैयार कराया था, उसके बाद सरकार ने फिर आंशिक संशोधन करते हुए एक शासनादेश जारी कर सभी मंडलायुक्तो, जिलाधिकारियों एवं विभागाध्यक्षो को आदेश जारी कर कहा कि अब सेवायोजन विभाग के पोर्टल पर उपलब्ध कार्मिकों में से केवल कंप्यूटर द्वारा रैंडम आधार पर ही कार्मिक लिए जाएंगेसइससे आउटसोर्सिंग कार्मिकों के चयन में इच्छुक अभ्यर्थियों को आवेदन करने की अंतिम तिथि तक आवेदन के अवसर का लाभ मिल सकेगा एवं चयन प्रक्रिया की व्यवस्था अधिक से अधिक पारदर्शी हो सकेगीस

सरकार की उपरोक्त पारदर्शी व्यवस्था में भी सेंध लगाते हुए सेवा प्रदाता कंपनियों ने सेवायोजन विभाग में मोबाइल नंबर के आधार पर आईडी जनरेट होने से एक अभ्यर्थी द्वारा कई आई डी बनाने की व्यवस्था का लाभ उठाकर भर्तियां कराने का मामला सामने आया हैस इसी प्रकार बीते अक्टूबर माह में कार्यालय जिला कार्यक्रम अधि ाकारी बहराइच के अधीनस्थ पोषण अभियान के अंतर्गत जनपद एवं ब्लाक स्तर पर कोऑर्डिनेटर के पदों पर चयन हेतु साक्षात्कार हेतु अभ्यर्थियों की जो सूची सेवा प्रदाता कंपनी द्वारा विभागीय अधि ाकारी को भेजी गई उस सूची में भी कई नाम ऐसे हैं जिनकी रेंडम सूची में कई जगह एक ही नाम मिलेस इस बारे में जब जिला कार्यक्रम अधिकारी राज कपूर से वार्ता की गई तो उनके जवाब से ऐसा लगा कि वह भी इससे अवगत हैं लेकिन उन्होंने अपना बचाव करते हुए सेवायोजन विभाग की व्यवस्था और सेवा प्रदाता कंपनियों को जिम्मेदार ठहरायास उन्होंने बताया कि उपरोक्त भर्ती प्रक्रिया में एक ही नाम कई बार आया जिसमें कुछ चयनित हुए तो कुछ नाम हटाए गएसअब सवाल यह उठता है कि क्या इन उपरोक्त कमियों के बारे में डीपीओ ने अपने जिला स्तरीय उच्च अधिकारियों एवं शासन के संबंधित अधिकारियों को अवगत करायास इस बारे में जब इस संवाददाता ने जिला सेवायोजन अधिकारी संजय कुमार से पूछा तो उन्होंने बताया कि जिला सेवायोजन कार्यालय में पोर्टल पर छात्र–छात्राओं की आईडी उनके मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी से जनरेट होती है और उसमें मोबाइल नंबर बदलकर दूसरी प्रोफाइल बनाने की व्यवस्था है इसी का लाभ उठाया जा रहा होगास

ज्ञात हो कि राज्य सरकार के तत्कालीन अपर मुख्य सचिव सुरेश चंद्र द्वारा मई 2022 में सभी मंडलायुक्त एवं जिलाधि ाकारियों को शासनादेश संख्या 4ध्2022ध्20ध् वन– 91– का–2ध् 2022 द्वारा निर्देश दिया कि अभ्यर्थियों की चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने हेतु सेवायोजन विभाग द्वारा संचालित पोर्टल पर उपलब्ध कार्मिकों में से वरिष्ठता के स्थान पर अब केवल कंप्यूटर द्वारा रैंडम आधार पर ही कार्मिक लिए जाएंगे इससे आउटसोर्सिंग कार्मिकों के चयन में इच्छुक अभ्यर्थियों को आवेदन करने की अंतिम तिथि तक आवेदन के अवसर का लाभ मिल सकेगास लेकिन शासन स्तर पर हुई शिकायत के क्रम में जारी किए गए नवीनतम शासनादेश भी शासन की मंशा अनुसार प्रभावी इसलिए नहीं हो पा रहा है कि सेवायोजन कार्यालय के पोर्टल पर एक अभ्यर्थी के कई बार आईडी जनरेट होने की सुविधा है और उसका लाभ सेवा प्रदाता कंपनी और संबंधित विभाग दोनों उठाने का प्रयास कर रहे हैंसवहीं दूसरी ओर वह अभ्यर्थी रैंडम सूची में आने से वंचित हो रहे हैं जिनके स्थान पर एक ही नाम वाले कई आईडी से चयनित हो जाते हैंस

अब आवश्यकता इस बात की है कि शासन सेवायोजन पोर्टल पर मोबाइल नंबर से कई आईडी जनरेट करने की जगह आधार कार्ड द्वारा आईडी जनरेट करने की व्यवस्था लागू कर भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता व निष्पक्षता प्रदान की जा सकती है और तभी सेवा प्रदाता कंपनियों एवं संबंधित विभागों की सांठगांठ एवं भ्रष्टाचार पर लगाम कसा जा सकता हैस भीम आर्मी के देवीपाटन मंडल के संयोजक एसके राजगुरु जी ने पिछले दिनों फाइव स्टार सिक्योरिटी सर्विसेज अलीगढ़ द्वारा कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी बहराइच समेत पूरे प्रदेश में हुई भर्तियों की मुख्यमंत्री से उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग की

अमृत महोत्सव मेले मे जुआ कारोबारियों द्वारा चलाया जा रहा मिनी कैसीनो, जिम्मेदार कौन?

बहराइच।जिले के थाना दरगाह शरीफ क्षेत्र स्थित गेंदघर मैदान मे अमृत महोत्स्व मेले का आयोजन किया गया है जो 15 फरवरी तक चेलगा। वहीं अमृत महोत्स्व मेले मे अवैध तरीके से जुआ कारोबारियों द्वारा मनोरंजन लूडो गेम की आंड मे मिनी कैसीनो चलाया जा रहा है। इस मिनी कैसीनो को संचालित कर हर रोज न सिर्फ मेलार्थियों से हजारों रुपयों की एक तरह से ठगी की जा रही है बल्कि युवाओं मे जुआ की लत भी लगाई जा रही है। जिससे अमृत महोत्स्व मेला कलंकित हो रहा है। एक ओर नेपाल मे संचालित हो रहे कैसीनो ने जहां कई भारतीयों को तबाह कर दिया है जिसे रोकने के लिए तरह तरह की मुहिम चलाने की बातें की जा रही हैं तो वहीं दूसरी ओर बीच शहर चल रहे अमृत महोत्स्व मेले मे चल रहा जुए का अवैध ा कारोबार जिम्मेदारों की जिम्मेदारियों की पोल खोलता नजर आ रहा है।वहीं कैमरे मे सारा नजारा कैद होते देख मेले मे अपना अवैध जुए का कारोबार गुलजार किये मिनी कैसीनो चला रहे अवैध जुआ कारोबारी एक एक कर इधर उधर हो गए। वहीं इसकी सूचना पुलिस अधिकारियों को दी गई जिसके बाद अब पुलिस इस मामले की जाँच कर उचित कार्यवाही करने की बात कह रही है। फिलहाल मेला प्रशासन व जिला प्रशासन इस पूरे मामले से अनजान बना हुआ है। अब देखने वाली बात यह होगी की प्रशासन इन अमृत महोत्स्व मेले को कलंकित करने वाले इन जुआ कारोबारियों पर कार्यवाही करती है या फिर अपनी महेज खानापूर्ति कर अपने दायित्वों की इतिश्री कर लेगी।

शहीदों व स्वतंत्रता सेनानियों के पद रज संग्रह अभियान का सातवां चरण शुरू

बहराइच।शहर में निवास करने वाले स्वतंत्रता संग्राम सेनानी दिवंगत हनुमान प्रसाद अग्रवाल के आवास जयहिंद कोठी जाकर पदरज संग्रह करते हुए उन्हें नमन किया गया तथा भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गईस स्वतंत्रता सेनानी स्व हनुमान प्रसाद अग्रवाल के पुत्र एवं संगठन के जिला कोषाध यक्ष अशोक कुमार अग्रवाल ने बताया कि हमारे पूर्वजों स्वतंत्रता सेनानियों ने स्वतंत्रता संग्राम में देश की आजादी में 1941–1942 में बापू के आवाहन पर भाग लिया थासजिसके फलस्वरूप उन्हें कठोर मानसिक और शारीरिक यातनाएं दी गईं थीं और कारावास की सजा बहराइच, गोण्डा एवं नैनीजेल इलाहाबाद में भोगी थीस अंग्रेजों ने जमीन और घर जब्त कर नीलाम कर दिया थासरकार की तरफ से आज तक हमें स्वतंत्रता सेनानी की कोई सुविधा नहीं मिली है और न ही हमारे भाइयों को। हमें आज गौरव प्राप्त हुआ है कि स्वतंत्रता सेनानियों के उत्तराधिकारियों के एकजुटता के प्रतीक प्रदेश कार्यवा महामंत्री रमेश कुमार मिश्र के नेतृत्व में स्वतंत्रता सेनानियों के सम्मान एवं उनके उत्तराधिकारियों के अस्तित्व की रक्षार्थ शहीदों व स्वतंत्रता सेनानियों के पद रज संग्रह अभियान में हमें सम्मान करते हुए हमारे पूर्वज पिता स्व हनुमान प्रसाद अग्रवाल के पद रज संग्रह अभियान का अवसर प्रदान किया। हमारी प्रदेश एवं भारत सरकार से मांग है कि नवनिर्मित मार्गों, चौंक चौराहे का नामकरण शहीदोंध्स्वतंत्रता सेनानियों के नाम पर किया जाएस पंजाब, उत्तराखण्ड आदि राज्यों की भांति उत्तर प्रदेश सहित पूरे देश के सेनानियों के उत्तराधिकारी को सम्मानित पेंशन के साथ साथ सभी सुविध ाएं दी जाए। इस अवसर पर संगठन संरक्षक अनिल कुमार त्रिपाठी, संगठन उपाध्यक्ष हनुमंत शरन श्रीवास्तव, अजय सिंह, वेदप्रकाश सिंह, गिरीश चन्द्र अग्रवाल,मनोज अग्रवाल, गौतम अग्रवाल, सहित दर्जनों स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी परिवार एवं मोहल्ले के लोग उपस्थित रहे।

कविता संग्रह 'स्त्रियाँ और सपने' का हुआ विमोचन

कंचन की कविताएँ स्त्री–दृष्टि की उदात्त भंगिमा से समृद्ध रू स्वप्निल श्रीवास्तव

अयोध्या । जनवादी लेखक संघ के तत्वावधान में संगठन की सदस्य युवा कवयित्री कंचन जायसवाल के कविता–संग्रह 'स्त्रियाँ और सपने' का विमोचन वरिष्ठ साहित्यकारों की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। विमोचन कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे भारतभूषण अग्रवाल पुरस्कार, केदार सम्मान, रघुपति सहाय सम्मान और रूस के पुश्किन सम्मान से सम्मानित देश के वरिष्ठ कवि स्वप्निल श्रीवास्तव ने कहा कि कंचन जायसवाल की कविताएँ गम्भीर पाठ की मांग करती हैं। उनकी काव्यदृष्टि में स्त्री–दृष्टि की एक उदात्त भंगिमा मौजूद है। उन्होंने कहा कि पहले संग्रह अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में उन्होंने कंचन जी की कविताओं में उपस्थित संवेदनशीलता की प्रशंसा की और कहा कि कंचन की कविताओं के शब्द उनके समाज और समय से आते हैं। लखनऊ से आए कार्यक्रम जनवादी लेखक संघ, उ.प्र. के सचिव प्रो. नलिन रंजन सिंह ने अपने वक्तव्य में कहा कि कविता में स्त्रियाँ यदि सपने देख रही हैं तो यह एक सकारात्मक वक्तव्य है क्योंकि आधुनिकतावाद ने स्त्रियों की ही नींद सबसे अधिक छीनी है। कंचन जायसवाल अपनी कविता में इस बात को रेखांकित करती हैं कि स्त्री वही है, जिसके भीतर करुणा है। उनकी कविताओं में जो दुःख, मिथकीयता और प्रेम के संदर्भ हैं वे अमूर्त होते हुए भी अत्यंत व्यापक हैं। उनकी कविताओं में जो राजनीतिक स्टेटमेंट हैं वे अत्यंत स्पष्ट हैं। वे स्पष्ट करती हैं कि प्रश्नाकुलता का समाप्त होना जीवन का समाप्त हो जाना है। उनके अनुसार कंचन जी गहरे तादात्म्य से पूरित दृश्य बिम्ब रचती हैं। इस अवसर पर वरिष्ठ कवि सुभाष राय ने अपने वक्तव्य में कहा कंचन की कविताएँ अंधेरे के विरुद्ध प्रश्न उठाती कविताएँ हैं। उनकी रोशनी की तलाश निजी नहीं है बल्कि वे समूचे स्त्री समाज के जीवन के अंधेरे को खध्त्म करना चाहती हैं। कार्यक्रम का संचालन कर रहे जनवादी लेखक संघ, फैजाबाद के सचिव डॉ. विशाल श्रीवास्तव ने कहा कि एक सम्भावनाशील युवा कवयित्री के रूप में कंचन जायसवाल की कविताएँ साहित्य के परिदृश्य में एक गहरा हस्तक्षेप हैं। उनकी कविताओं में बुद्ध के जीवन–दर्शन से सामीप्य से प्राप्त करुणा के स्वर से लेकर स्त्री जीवन का अकेलापन, अवसाद और प्रेम की विडम्बनाएँ एक व्यापक फलक पर उपस्थित हैं। इन कविताओं में एक रहस्यात्मक प्रतियथार्थ है जो वास्तविक संसार के दृश्यों से सामग्री ग्रहण कर जैसे अपना एक साहित्यिक मेटावर्स रचता है। इन कविताओं में गहरी उदासी और भावनात्मक अजनबीपन के संकेत स्पष्ट रूप से मिलते हैं, जिनके कारण कंचन की कविताओं की एक अलग काव्यात्मक बुनावट सम्भव हो पाती है। इस अवसर पर अपने वक्तव्य में वरिष्ठ कवि–आलोचक आर.डी. आनन्द ने कहा कि कंचन जी की कविताओं का पाठ अत्यंत गम्भीर है। उनकी कविताओं में स्त्री निर्मिति का दुःख विकलता के साथ मौजूद है। उनकी कविताएँ निजी पीड़ा और दुःख से गुजरते हुए भी सहज रूप में एक निर्वैयक्तिकता की ओर बढ़ती हैं। बुद्ध की करुणा के समानांतर स्त्री जीवन का अंतर्द्वंद्व कंचन जी की कविताओं में व्यक्त होता है। विमोचन के अवसर पर अपना वक्तव्य प्रस्तुत करते हुए कवयित्री कंचन जायसवाल ने अपनी कविताओं की रचना–प्रक्रिया पर बात करते हुए कहा कि यह मेरा पहला संग्रह है, जिसे पूरा करने में मुझे लम्बा वक्ध्त लगा है। इस संग्रह में स्त्रियों को लेकर कविताएँ तो हैं ही लेकिन उसके साथ राजनीतिक, सामाजिक यथार्थ, स्त्री–पुरुष सम्बन्धों पर भी विभिन्न कविताएँ हैं। इस अवसर पर उन्होंने अपनी कई कविताओं का पाठ किया, जिनमें प्रमुखतः 'मैं बुद्ध की धरती से हूँ', 'एक बीता हुआ दिन यादों में, 'स्त्रियाँ और सपने', 'चयन' आदि विभिन्न कविताओं का पाठ किया। कार्यक्रम में विन्ध्यमणि त्रिपाठी, स्वदेश रश्मि, आर.एन. कबीर, बालकिशन, रामदास यादव, साधना सिंह, उष्मा वर्मा, अर्चना द्विवेदी, रामदास सरल, अखिलेश सिंह, सीताराम वर्मा, कबीर, जेपी श्रीवास्तव, सरोज यादव, अपर्णा यादव, घनश्याम, कंचन दुवे, ध ीरज द्विवेदी, महावीर पाल, राध ेरमण सिंह, ममता सिंह, शिवानी सिंह, मो. सलीम, मो. सगीर, सैय्यद सुबहानी, कीर्ति यादव सहित शहर के विभिन्न प्रगतिशील साहित्यकार, बुद्धिजीवी एवं पत्रकार सम्मिलित हुए।

डिप्लोमा फार्मासिस्ट एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष बने सुमुख पाठक

बहराइच। डिप्लोमा फार्मासिस्ट एसोसिएशन उत्तर प्रदेश की बहराइच शाखा का चुनाव प्रांतीय पर्यवेक्षक डॉक्टर के. के. सिंह व चुनाव अधिकारी डॉ. कुलदीप सिंह की देखरेख में संपन्न हुआ। ज्ञात हो कि अध्यक्ष पद के लिए मुख्य मुकाबला निवर्तमान जिला मंत्री एवं वर्तमान प्रदेश उपाध्यक्ष सुमुख शरण पाठक के बीच रहा। जिसमें सुमुख शरण पाठक ने अपने प्रतिद्वंदी को 58 मतों के अंतर से हराकर अध्यक्ष पद का चुनाव जीता।जबकि 2 मत इनवैलिड गिने गए।वहीं जिला मंत्री के पद पर डॉ. प्रेम प्रकाश कुशवाहा का निर्वाचन हुआ। अपने निर्वाचन पर सुमुख पाठक ने सभी सदस्यों के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि एसोसिएशन के माध्यम से अपने फार्मेसिस्ट की समस्याओं को प्रदेश तथा केंद्र सरकार को अवगत कराकर उनके समाधान हेतु पूरा प्रयास करना एवं अपने दायित्वों का ईमानदारी एवं बिना किसी भेदभाव के निर्वहन करना मेरी प्राथमिकताओं में शामिल रहेगा।सुमुख पाठक के निर्वाचन पर चीफ फार्मेसिस्ट डॉ. अनिल मिश्र, डॉ उमेश्वरी पांडे,डॉ. करुणा शंकर दीक्षित, डॉ. अरविंद पाठक, डॉ. चंदन मिश्र, डॉ. डॉक्टर ताहिर ,डॉ. समीम, डॉ. अर्जन सिंह, डॉ. रहमान,डॉ. बलबीर सिंह, डॉ. परवेज अहमद, डॉ. अरविंद शुक्ला,डॉ. अखिलेश मिश्रा,एवं डॉक्टर सुधीर मौर्य ने प्रसन्नता प्रकट करते हुए सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दी।

विद्युत चपेट मे आने से किसान की मौत

बीकापुर–अयोध्या । कोतवाली क्षेत्र के नंदू पुर निवासी 31वर्षीय पवान्स पांडे पुत्र रमाशंकर पांडे कि बीती रात उस समय बिजली के करंट से मौत हो गई जब वह अपने खेत में गेहूं की सिंचाई करने जा रहे थे कि रात्रि लगभग 8:00 बजे पड़ोसी द्वारा जानवरों से फसल बचाने के लिए उद्देश्य से बिजली का नंगा तार लगाए जाने से बिजली की चपेट में आने से घटनास्थल पर दर्दनाक मौत हो गई जिसकी जानकारी स्थानीय पुलिस को होते ही हलका इंचार्ज दरोगा राधेश्याम सिंह हमराही सिपाही के साथ मौके पर पहुंचकर लाश कब्जे में लेकर पी० एम० के लिए भेज दिया सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मृतक का आवास कोतवाली बीकापुर में है। और घटनास्थल इनायत नगर थाने में पड़ता है। दर्दनाक घटना से परिजनों में कोहराम मच गया और शुभचिंतकों में मायूसी छा गई है ।

आरएसएस का शाखा समागम कार्यक्रम हुआ सम्पन्न

सोहावल–अयोध्या । राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ सोहावल खण्ड अयोध्या जिला की ओर से रामलीला मैदान मुबारकगंज में शाखा संगम कार्यक्रम का आयोजन हुआ। माननीय सह खण्ड संघ चालक रमाकांत ने कहा कि शाखा में स्वयं सेवक अनुशासन सीखते हैं। इसमें हर आयुध वर्ग के व्यक्ति भाग लेते हैं। बाल, तरुण, प्रौढ़ सभी वर्ग के लोग आपस में सामंजस्य स्थापित करते हैं। व सामाजिक समरसता, देश की सभ्यता व संस्कृति से परिचित होते हैं। हर व्यक्ति को संघ की शाखा में भाग लेना चाहिए। शाखा में व्यक्ति का बौद्धिक विकास व चरित्र निर्माण होता है और मानसिक व शारीरिक रूप से सबल बनता है। एक घंटा की शाखा की अवधि की पहले भगवा ध्वज लगाया गया जो हमारे धर्म व संस्कृति का प्रतीक है। शाखा में ध्वज फहराने के पश्चात सूर्य नमस्कार, योग, व्यायाम, खेल, देशभक्ति गीत होते हैं। इससे लोगों में राष्ट्रप्रेम का भाव जागृत किया जाता है। ताकि सामाजिक परिवर्तन आए। हमारा देश विश्वगुरु बने इस दिशा में सकारात्मक प्रयास किया जा रहा है।स्वयं सेवकों ने अनेक खेलकूद में भाग लेकर अपने कौशल का प्रदर्शन किया। स्वयं सेवकों ने भारत माता का स्मरण करते हुए प्रार्थना की।

निर्धन कन्या के विवाह में की मदद

सोहावल–अयोध्या । सामाजिक सेवा भाव संस्थान के सदस्यों ने स्व.रामनेत जी की पुत्री के विवाह में कूलर,प्रेस,कम्बल,हाथ घड़ी,साड़ी आदि वस्तुएँ प्रदान करने उनके पैतृक निवास तहसील सोहावल क्षेत्र के मगलसी गॉव पहुँची तथा बिटिया को दाम्पत्य जीवन मे बधने की बधाई दी। दिव्यांग भाई ने विवाह की जिम्मेदारी का बीड़ा उठाने में सहायता करने में संस्थान के सभी सदस्यों को आभार व्यक्त किया। संगठन के सक्रिय कार्यकर्ता मुकुल कसौधन ने कहा कि वेद पुराणों में कन्यादान की रस्म को सर्वश्रेष्ठ माना गया है मदद के लिए हाथ बढ़ाने वाले सभी महानुभवों को हम महान मानते है। इस कार्यक्रम में अध्यक्ष शुभम गुप्ता रुद्र,मुकुल कसौधन,प्रियांशु सोनी,मोहित गुप्ता,जनार्दन मौर्या, जलज मौर्या, नीरज साहू,मंजीत जोरिया उपस्थित रहे

डॉक्टर व मेडिकल स्टोर संचालक मरीजों के साथ खेल रहे बड़ा खेल

-डॉक्टरों द्वारा मरीजों को बाहर से लिखी दवा, केवल एक मेडिकल स्टोर पर ही मिलती है

मिल्कीपुर–अयोध्या । जिले के पिछड़े क्षेत्र के रूप में माने जाने वाले मिल्कीपुर क्षेत्र से इलाज कराने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मिल्कीपुर पहुंच रहे मरीजों व उनके तीमारदारों के साथ डॉक्टरों एवं मेडिकल स्टोर संचालकों द्वारा जबरदस्त खेल खेला जा रहा है। जहां प्रदेश सरकार द्वारा स्वास्थ्य विभाग को लगातार निर्देशित किया जा रहा है कि बाहर से मरीजों को दवाएं न लिखी जाए। वही दूसरी ओर सीएचसी मिल्कीपुर के चिकित्सकों द्वारा क्षेत्र से आए मरीजों को खूब ध ाड़ल्ले से बाहर की दवाएं लिखी जा रही है।

बताते चलें कि चिकित्सकों द्वारा लिखी गई दवाएं पूरे इनायत नगर बाजार में किसी भी मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध ा नहीं है। चिकित्सक द्वारा अस्पताल के बाहर से लिखी दवा सीएचसी मिल्कीपुर गेट पर स्थित आजाद मेडिकल स्टोर पर ही मिलती है सीएचसी के डॉक्टरों एवं मेडिकल स्टोर संचालकों की करतूतों के चलते मरीज और तीमारदार महंगे दामों पर दवाएं खरीदने को विवश है। ऐसा ही एक मामला सीएचसी मिल्कीपुर पर देखने को मिला। मरीज किरन कुमारी सीएचसी पर संचालित ओपीडी में बैठे चिकित्सक से दवा कराने आई थी। ओपीडी में मौजूद डॉक्टर जे पी विश्वकर्मा द्वारा उन्हें बाहर की दवाई लिख दी गई। पीड़िता किरन कुमारी ने बताया कि वह डॉक्टर द्वारा लिखी गई दवाओं का पर्चा लेकर पूरे इनायतनगर बाजार स्थित मेडिकल स्टोरों पर घूमती रही, लेकिन उन्हें दवा नहीं मिल सकी। मेडिकल स्टोर तथा अन्य लोगों के बताने के बाद जब वह आजाद मेडिकल स्टोर पहुंची तो डॉक्टर द्वारा लिखी दवा मिली तो लेकिन काफी महंगे दामों में स्टोर संचालक द्वारा दी गई। जब बाहर से महंगी दवा लिखे जाने के संबंध ा में डॉक्टर जी पी विश्वकर्मा से जानकारी चाही गई तो उन्होंने बताया कि ऐसा नहीं सभी मेडिकल स्टोर पर दवा उपलब्ध है। स्थानीय लोगों की माने तो सीएचसी मिल्कीपुर गेट पर स्थित आजाद मेडिकल स्टोर को यहां के डॉक्टरों का संरक्षण प्राप्त है। सीएचसी मिल्कीपुर के द्वारा लिखी गई दवाओं से ही उनकी मेडिकल स्टोर का कारोबार काफी तेजी से फल फूल रहा है। सीएचसी मिल्कीपुर के डॉक्टर तथा आजाद मेडिकल स्टोर की कमीशन खोरी से मरीज तथा तीमारदार महंगे दामों पर दवा लेने को मजबूर हैं।

भावनात्मक प्रबंधन ही है तनाव प्रबंधनः डा. आलोक

–इमोशनल मैनेजमेंट है सक्सेस मन्त्र

अयोध्या। इमोशनली इंटेलीजेंट व्यक्ति मनोदबाओं से हताश न होते हुए अपनी क्षमता का श्रेष्ठ उपयोग करता है। यह बातें जवाहर नवोदय विद्यालय डाभासेमर में आयोजित मनोतनाव प्रबंधन व व्यक्तित्व विकास विषयक कार्यशाला में जिला चिकित्सालय के मनोपरामर्शदाता डॉ आलोक मनदर्शन ने कही। उन व्यक्तित्व विकारों पर परिचर्चा हुई की जो कि आगे चलकर गम्भीर मनोरोग का कारण बनते है । किशोर व युवाओं में बढ़ती इमोशनल हेल्थ संशयों व मुद्दो पर खुल कर समाध ान चर्चा हुई तथा परिवार व स्कूल के भावनात्मक वातावरण के संवध ान व सहयोग पर विशेष जोर देते हुए इमोशनल इंटेलीजेंस की रोल मॉडलिंग पर जोर दिया गया।

टीचर, स्टूडेंट व परिजन एक ही चेन की भावनात्मक कड़ी होती है तथा स्टूडेन्ट के इस चेन की सबसे संवेदनशील कड़ी होने के कारण अन्य दो कड़ियों की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है क्योंकि किशोरो व युवाओं का इमोशनल ब्रेन अपरिपक्व होता है ।स्ट्रेस मैनेजमेंट की आधारशिला सीखने की उम्र यही होती जिससे स्टूडेन्ट तनाव का स्वस्थ प्रबन्ध ान करते हुए अपना सफल योगदान करता है। कार्यक्रम के अंत में इमोशनल समस्याओं के प्रति व्याप्त अज्ञानता को उपचार में गम्भीर बाधा के रूप में माना गया।कार्यशाला में स्टूडेंट्स व शिक्षक मौजूद रहे। डॉ मनदर्शन ने ऑब्जर्वेशनल मेथड द्वारा इमोशनल इंटलीजेंस एम्बेसडर घोषित करते हुए बौद्धिक क्षमता के साथ भावनात्मक बुद्धिमता विकसित करने पर जोर दिया।स अवसर पर श्रीमती अर्चना, श्री ए निगम, श्री मिसबाहुद्दीन, श्री विजय शाह, श्री एन के सिंह आदि शिक्षक भी उपस्थित रहे। श्रीमती अनीशा द्वारा धन्यवाद ज्ञापन व डॉ एस के एम त्रिपाठी द्वारा संचालन तथा अध्यक्षता प्रध ानाचार्य के के मिश्र द्वारा किया गया।

उत्तर प्रदेश मे जातीगत जनगणना कराये सूबे की सरकार: अमर सिंह

आजाद समाज पार्टी का सोमवार को कलेक्ट्रेट परिसर में, 5 सूत्रीय मांगो को लेकर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन कर राष्ट्र पति को संबिधित डी एम को सौंपा ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। पूर्व विधायक अमर सिंह की अध्यक्षता में आजाद समाज पार्टी के कारकर्ताओ ने कलेक्ट्रेट परिसर मे सोमवार कों एक दिवसीय धरना प्रदर्शन कर महा महिम राष्ट्रपति को सम्बोधित 5 सूत्रीय मांग का ज्ञापन जिलाधिकारी सिद्धार्थनगर को सौंपा। ज्ञापन मे बहुजन समाज, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जन जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, एवं धार्मिक अल्पसंख्यक वर्ग के शशक्ति करण हेतु अन्य लाभ की मांग मे सम्मिलित थी। धरना प्रदर्शन को सम्बोधित करते हुए विधानसभा शोहरातगढ़ के पूर्व विधायक अमर सिंह चौधरी बतौर मुख्य अतिथि ने

कहा की सूबे की वर्तमान सरकार अविलम्ब जातीय जनगणना कराये। क्योंकि बाबा साहेब डा0 भीमराव अम्बेडकर ने पिछडों के उत्थान के लिए सविधान के अनुच्छेद 340 मे स्पस्ट किया है। इसी के आधार पर 153 मे काका कालेकर आयोग् बना। जिसकी रिपोर्ट 1955 मे आई। जिसकी सिफारिशे लागु ही नही हो सकी। इसके बाद 1978 मे बीपी मंडल की अध्यक्षता मे किया गया। इस आयोग ने अपनी रिपोर्ट 1980 मे सौंप दी थी। लेकिन एक दशक के बाद अगस्त 1990 मे बीपी सिंह सरकार ने पिछडों के आरक्षण के लिए उक्त रिपोर्ट को लागु किया। पिछले तिन दशकों मे केंद्र और राज्य सरकारो ने आधे अधूरे ढंग से ओबी सी आरक्षण दिये जाने से अति पिछड़ी जातियो को सरकारी नौकरियों और शिक्षण संस्थानों मे न के बराबर भागी दारी प्राप्त हुई। उन्होंने कहा कि केंद्र और प्रदेश के इस रवाइये से आजाद समाज पार्टी व अन्य जानो सहित कार्यकर्ताओं मेंइसे लेकर भारी आक्रोश व्याप्त है। अभी तो जिला स्तर पर मांगे हुई है। इसके बाद विधान सभा का घेराव आम जन मान्स के साथ किया जायेगा। हम सभी सम्मानित कार्यकर्ताओं कि तरफ से एवं पार्टी मांग करती है की उपरोक्त समस्याओं का केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों द्वारा शीघ्र अनुपालन कराया जाय। कार्यक्रम के समापन अवसर पर आजाद समाज पार्टी के जिला अध्यक्ष राजेंद्र भारती ने आये हुए समस्त जनों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर राजेंद्र भारती, अजय यादव, माशूम अली राइनी, ऋषिकेश, कुशलावती, जितेंद्र रामा, राम धारी यादव, लालजी चौधरी मुकेश कुमार गौतम सहित अन्य सैकड़ों कार्यकर्ता ऊपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश के असंगठित मजदूरों के आवाज बने:सांसद जगदंबिका पाल

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। भारतीय जनता पार्टी के सांसद जगदंबिका पाल ने प्रश्न काल के दौरान उत्तर प्रदेश के असंगठित मजदूरों के आवाज बने। सांसद ने प्रश्न पूछते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में 8 करोड़ 29 लाख असंगठित मजदूरों को ई–श्रम पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन हुआ है। सांसद ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री श्रम मानधन योजना के अंतर्गत असंगठित मजदूरों को जोड़ा जा रहा है। साथ ही एनसीएस (नेशनल करियर सर्विस) के साथ जोड़ कर महत्वाकांक्षी योजना शुरू किया जा रहा है। जगदंबिका पाल कहा की आज इन असंगठित कामगारों को उनके कौशल, उनके शिक्षा और अनुभव के आधार पर नौकरी का अवसर प्रदान

किया जा रहा है। इन बातों को उल्लेख करने के बाद सांसद ने मंत्री से पुछा कि क्या उत्तर प्रदेश तथा सिद्धार्थनगर के असंगठित मजदूरों को एनसीएस (नेशनल करियर सर्विस) के साथ इंटीग्रेट किया का रहा है और साथ ही इसके माध्यम से कितने लोगों को रोजगार प्रदान करने का काम किया जा रहा है। इन प्रश्नों पर माननीय मंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में रजिस्ट्रेशन की व्यवस्था जिला अस्थरीय और तहसील अनुसार डाटा एंट्री किया जा रहा है। साथ ही इन रजिस्ट्रेशन को अलग अलग क्षेत्रों में लागू किया जा रहा है। जगदंबिका पाल जी को आगे बताते हुए मंत्री ने कहा इसके तहत 400 से ज्यादा ऑक्यूपेशन जैसे एग्रीकल्चर सेक्टर, कंस्ट्रक्शन सेक्टर, अपैरल इंडस्ट्री, मिसलेनियस वर्क, ऑटोमोबाइल्स लेदर से लेकर शिक्षा और हेल्थ केयर तथा रिटेल ओर दवा इंडस्ट्री, फूड इंडस्ट्री को ध्यान में रख कर असंगठित कामगारों को पर्टिकुलर क्षेत्र के जिले से जोड़ा जा रहा है। इनसे मजदूरों को आवश्कता के अनुसार रोजगार मिलने में अहम भूमिका निभाई जा रही है।

कार्यकर्ताओं के बल पर ही भाजपा विश्व की सबसे बड़ी राजनैतिक पार्टी

दैनिक बुद्ध का संदेश

बर्डपुर,सिद्धार्थनगर। भारतीय जनता पार्टी बर्डपुर मंडल की एक आवश्यक बैठक मंडल अध्यक्ष नितेश पाण्डेय की अध्यक्षता में आयोजित हुई। जिसके मुख्य वक्ता जिला महामंत्री भाजपा विजय कांत चतुर्वेदी रहे कार्यसमिति की बैठक में कार्यकर्ताओं को बूथ प्रबंधन, डाटा प्रबंधन सहित आगामी संगठनात्मक अभियान को लेकर विस्तार से जानकारी देते हुए उनके क्रियान्वयन हेतु पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई। बैठक का शुभारंभ पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्पांजलि एवं वंदे मातरम के साथ शुरू हुआ। बैठक को संबोधित करते हुए विजय कांत चतुर्वेदी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं के परिश्रम एवं बल से आज दुनिया में सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी के रूप में विद्वान है। जिसका प्रमुख श्रेय सभी देव तुल्य कार्यकर्ताओं को जाता है। उन्होंने कहा कि संगठन के जो भी कार्यक्रम एवं अभियान निर्धारित हुए हैं सभी कार्यकर्ता पूरे मनोयोग से लेकर बूथ प्रबंधन एवं डाटा प्रबंधन का सुचारू रूप से डाटा तैयार करें। उन्होंने कहा कि आज पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय की परिकल्पना को साकार करते हुए देश की एकता और अखंडता को स्थापित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में विश्व गुरु बनने की ओर अग्रसर है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सदर विधायक श्यामधनी राही ने कहा की कार्यकर्ताओं एवं जनता के आशीर्वाद से 2017 एवं 2022 में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश भाजपा की सरकार बनी है जो निरंतर प्रदेश गुंडाराज, भ्रष्टाचार को समाप्त कर रही है। तो वहीं महिलाओं के सुरक्षित व सशक्त बनाने को लेकर भी महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। एवं बैठक में सोशल मीडिया जिला संयोजक शिवम शुक्ला ने कार्यकर्ताओं को डाटा प्रबंधन के बारे में बताया। बैठक में मंडल के बूथ अध्यक्ष, सेक्टर संयोजक, सेक्टर प्रभारी, मंडल पदाधिकारी तथा वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान मंडल अध्यक्ष नितेश पाण्डेय, मंडल प्रभारी सिद्धार्थ पाठक, सबलू साहनी, सुरेंद्र यादव, विवेक गोस्वामी, संतोष उपाध्याय, अंब्रिश जयसवाल, चंद्र प्रकाश धर दिवेदी, बृजेश सिंह, अविनाश शुक्ला, फूलचंद्र जयसवाल, राजेंद्र विश्वकर्मा, लक्ष्मण चौधरी, हरिशंकर तिवारी, पवन पाठक, मोहन चौधरी, रामबिलास मौर्य, रमेश यादव, विजय चौरसिया, सतीश जयसवाल, जेपी मौर्य, राम अचल चौधरी, बेचन कुमार, रामशंकर, विंदेश्वरी चौधरी, सर्वजीत, मंगलेश शुक्ला, राजकमल जयसवाल, राम उजागिर जयसवाल, सुनील यादव, सुनील जयसवाल,रुद्र नारायण चौधरी,घनश्याम चौधरी, विजय मोदनवाल, संजय मिश्रा, प्रमिला दुबे, अनीता शर्मा, सुशीला, चंद्रावती, राजकुमार चौधरी, वंश बहादुर चौधरी, हेमंत जयसवाल, अमित कुमार, गिरजेश कुमार, रामकेवाल गुप्ता, परशुराम साहनी, राजू यादव, दिनेश साहनी, मोतीलाल, गोरख वर्मा आदि मौजूद रहे।

- भारतीय जनता पार्टी बर्ड पुर मंडला कार्यसमिति की बैठक आयोजित हुई
- बूथ एवं डाटा प्रबंधन व अन्य संगठनात्मक कार्यक्रमों को लेकर आयोजित हुई बैठक

पटखौली चौराहे पर सोने की दुकान में हुई चोरी

दैनिक बुद्ध का संदेश

लोटन,सिद्धार्थनगर। लोटन कोतवाली अंतर्गत ग्राम पंचायत पटखौली के पटखौली चौराहे पर शटर का ताला तोड़कर स्वर्ण व्यवसायी के दुकानदार से सोने चांदी के सामान और बगल में किराने की दुकान से कुछ नकदी सहित सामान अज्ञात चोरों ने उठा ले गए। सुबह जब दुकानदारों ने अपनी दुकान को देखा तो होंश उड़ गया। जिसकी सूचना पुलिस को दिया गया। पुलिस मामले की छान बीन कर रही है। लोटन कोतवाली के पटखौली चौराहे पर देवी प्रकाश पुत्र हरिनाथ वर्मा दिव्यांशु ज्वेलर्स के नाम से दुकान चला रहे थे। इसी के बगल में राज कुमार पुत्र तीरथ बीती रात अपने अपने दुकान का ताला बन्दकर के अपने घर चला गए। सुबह जब स्वर्ण व्यवसायी दुकान खोलने के लिए दुकान पर पहुंचे तो देखा दुकान का ताला टूटा हुआ है। उसमें रखा सोना और चांदी का सामान जिसकी कीमत लगभग 4 लाख रुपये बताई जा रही है। उसे चोर लेकर चम्पत हो गए। इसी तरह किराने की दुकान का दुकानदार अपने दुकान में देखा कि 5 हजार रुपये नकदी सहित खाने पीने का सामान भी अज्ञात चोरों ने उठा ले गए। सामान गयाब देख दुकानदारों के होंश उड़ गए। जिसकी सूचना मुकामी पुलिस को दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की छान बीन कर रही है। मालूम हो कि क्षेत्र में छोटी बड़ी चोरी की घटनाएं बढ़ती जा रही है। चोरों पर अंकुश न लगना चिंता का विषय बना हुआ है।

थानाध्यक्ष ने किया परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी,सिद्धार्थनगर। डिंडई थानाध्यक्ष राजेश कुमार शुक्ला ने स्थानीय थाना शिवनगर डिंडई क्षेत्र में यूपी बोर्ड द्वारा बनाए गए परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। हमराही जितेन्द्र राजभर तथा राहुल यादव के साथ थानाध्यक्ष शुक्ला ने क्षेत्र स्थित राम सेवक राम कुमार इण्टर कालेज बानकुईया, दीन बन्धु इण्टर कालेज नदांव, मेवाती देवी कान्वेंट स्कूल तिलौली, स्व प्यारी देवी इण्टर मीडिएट कालेज मसिनाखास, किसान उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जोगिया बुजुर्ग सहित छह अन्य परीक्षा केन्द्रों का का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्टांग रूम तथा परीक्षा कक्ष में लगे सीसीटीवी कैमरे का निरीक्षण करते हुए प्रश्न पत्र सुरक्षा में लगे पुलिस जय हिन्द, आयुष विश्वकर्मा को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिया।

सूचना

मेरा हाई स्कूल वर्ष 2022 अनुक्रमांक 1222542971 का प्रमाण पत्र सह अंकपत्र वास्तव में खो गया है। शमशाद अहमद पुत्र अदीउल पता ग्राम–कोटिया बाजार थाना–शोहरतगढ़ जिला–सिद्धार्थनगर।

छठवीं बार लगातार अध्यक्ष हुए अरुण कुमार प्रजापति

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। सोमवार को पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पशुधन प्रसार अधिकारी संघ, सिद्धार्थनगर का वार्षिक अधिवेशन पशु चिकित्सालय, बासी के प्रांगण में संपन्न हुआ। जिसमें पर्यवेक्षक एवं चुनाव अधिकारी के रूप में मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी सिद्धार्थनगर द्वारा नामित पशु चिकित्सा अधिकारी,जोगिया डॉ बलराम चौरसिया एवं मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी सिद्धार्थनगर के प्रतिनिधि के रूप में उप मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ सीएल वर्मा उपस्थित रहे।द्विवार्षिक अधिवेशन में अतिथि के रूप में राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के जिला अध्यक्ष अनिल सिंह एवं मंत्री शैलेंद्र गुप्ता के साथ पेंशनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अवधेश यादव, ग्राम पंचायत अधिकारी एसोसिएशन के प्रदीप सिंह भी उपस्थित रहे।द्विवार्षिक अधिवेशन के उद्घाटन सत्र में पशुधन प्रसार अधिकारी संघ, सिद्धार्थनगर के जिला अध्यक्ष अरुण कुमार प्रजापति ने सभी सम्मानित अतिथियों का स्वागत करते हुए अंग वस्त्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किया।

कार्यक्रम का संचालन संयुक्त मंत्री अश्वनी मिश्रा ने किया।पशुधन प्रसार अधिकारी संघ सिद्धार्थनगर के द्विवार्षिक अधिवेशन को संबोधित करते हुए राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के जिला अध्यक्ष अनिल सिंह ने कहा कि यहां उपस्थित सभी सम्मानित साथी पुरानी पेंशन से वंचित हैं और नई पेंशन नीति के अंतर्गत आते हैं,मैं सभी युवा साथियों से अपील करूंगा कि राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद द्वारा पुरानी पेंशन बहाली के लिए किए जा रहे आंदोलन में शत–शत भागीदारी करने का वादा करें। द्विवार्षिक अधिवेशन को जिला मंत्री शैलेंद्र गुप्ता पेंशनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अवधेश यादव ने भी संबोधित किया। द्विवार्षिक अधिवेशन को संबोधित करते हुए पशुधन प्रसार अधिकारी संघ, सिद्धार्थनगर के जिला अध्यक्ष अरुण कुमार प्रजापति ने कहा कि पशुधन प्रसार अधिकारी संघ संघर्षों के लिए जाना जाता है और अपने कार्यों को करते हुए कर्मचारी हितों के लिए जो भी संघर्ष करना पड़ेगा राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद इंजीनियर हरिकिशोर तिवारी और शिवबरन सिंह यादव जी के नेतृत्व में प्रदेश आवाहन पर जनपद अध्यक्ष और मंत्री के साथ कदम से कदम मिलाकर पशुधन प्रसार अधिकारी संघ संघर्ष करने के लिए हमेशा तैयार रहेगा। वार्षिक अधिवेशन के द्वितीय सत्र में चुनाव अधिकारी डॉ बलराम चौरसिया एवं उनके द्वारा नामित उप चुनाव अधिकारी अनिल सिंह एवं शैलेंद्र गुप्ता जी द्वारा चुनाव प्रक्रिया प्रारंभ करते हुए अध्यक्ष,वरिष्ठ उपाध्यक्ष,मंत्री,सयुंक्त मंत्री, कोषाध्यक्ष, ऑडिटर पद हेतु आवेदन मांगे गए, जिसमें जिला अध्यक्ष पद पर लगातार छठवीं बार निर्विरोध अरुण कुमार प्रजापति, जिला मंत्री के पद पर अवनीश त्रिपाठी,वरिष्ठ उपाध्यक्ष के पद पर अरुण कुमार,संयुक्त मंत्री के पद पर बृज किशोर गुप्ता,कोषाध्यक्ष के पद पर अरविंद कुमार चौधरी और ऑडिटर के पद पर प्रियंका श्रीवास्तव निर्वाचन प्रक्रिया के अंतर्गत निर्विरोध चुने गए। वहीं पर कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए जिलाध्यक्ष अरुण कुमार प्रजापति ने राजेंद्र यादव और दिवाकर मिश्रा को संरक्षक,अश्वनी कुमार मिश्रा को उपाध्यक्ष,रमेशचंद्र कों संगठन मंत्री,अरुण शुक्ला कों प्रचार मंत्री,बाल चंद चौधरी कों सोशल मीडिया प्रमुख,धर्मेंद्र सिंह कों प्रवक्ता सहित सुजीत सिंह, शैलेंद्र द्विवेदी,शशांक प्रभाकर चौधरी,जय शंकर चौधरी को जिला कार्यकारिणी सदस्य नामित किया गया। पेंशनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अवधेश यादव ने सभी नव निर्वाचित पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। नवनिर्वाचित कार्यकारिणी पर मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ एमपी सिंह,डॉ आरबी यादव,डॉ विजय कुमार, डॉ जेएल चौधरी फार्मासिस्ट दीनानाथ यादव रवि कुमार अनिल कुमार ने सभी कों बधाई देते हुए प्रसन्नता व्यक्त की।

धूमधाम से मनाया गया जलशक्ति मंत्री स्वतन्त्रदेव सिंह का जन्मदिन

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़,सिद्दार्थनगर। छत्रपति शिवाजी वाहिनी के बैनर तले

शोहरतगढ़ क्षेत्र के चौड़ार चौराहे पर जलशक्ति मंत्री, स्वतंत्र देव सिंह का जन्मदिन केक काटकर धूमधाम से मनाया गया। कार्यकर्ताओं ने एक–दूसरे को केक खिलाकर ईश्वर से उनके लंबी आयु एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। जन्मदिन के मौके पर प्रधान प्रतिनिधि दत्तपुर अजय कुमार चौधरी ने कहा कि आज हमारे भारतीय जनता पार्टी के नेता निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष व जल शक्ति मंत्री माननीय स्वतंत्रदेव सिंह का जन्मदिन है,जिसे हम जैसे उनके हजारों स्नेहिल कार्यकर्ता प्रदेश भर में हर्षोल्लास के साथ मना रहे हैं। इसी क्रम में आज हम सबने यहां केक काटा व मिष्ठान वितरण किया। इस अवसर पर अमित कुमार चौधरी, अजय चौधरी, गुड्डू पासवान, शमशेर बहादुर चौधरी, राहुल चौरसिया, लूजर प्रजापति, अनिल, निलेश चौधरी, उमेश, सन्तोष, विकास सहित तमाम कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

इस पर गोस्वामी तुलसीदास ने कहा कि वे सिर्फ अपने भक्तों को ही दर्शन देते हैं। इस पर अकबर क्रुद्ध हुए और गोस्वामी तुलसीदास को फतेहपुर सीकरी के कारागार में बंद करवा दिया। इसके बाद बड़ी संख्या में बंदरों ने फतेह पर सीकरी को घेर लिया। गोस्वामी तुलसीदास के लिए बंदरों को श्री हनुमान जी ने भेजा था। फिर इस स्थिति...

हनुमान चालीसा के द्वारा सभी के कंठ में विराजे हैं गोस्वामी तुलसीदास

अवधी बोली को कोटि कोटि जन में व्याप्त करने वाले गोस्वामी तुलसीदास जी ही हैं। अवधी बोली को भाषा बनाने का सबसे बड़ा और सशक्त अभियान गोस्वामी तुलसीदास जी ने चला रखा था। मध्यकालीन भारत के अवधी बोली और धर्म के सबसे बड़े नेता थे। तथ्य यह भी है कि श्री हनुमान चालीसा के माध्यम से गोस्वामी तुलसीदास जी उत्तर भारत के प्रत्येक सनातन की आस्था के केंद्र बिंदु हैं। भगवान श्रीराम की कथा और ऐतिहासिकता को लोक में व्याप्त करने के लिए जहां गोस्वामी तुलसीदास जी ने श्रीरामचरित मानस की रचना की वहीं श्री हनुमान जी की भगवान श्रीराम के प्रति अत्यंत विनीत मुद्रा और सेवक धर्म से परिपूर्ण होने के कारण श्री हनुमान चालीसा की भी रचना की। ऐतिहासिक तथ्य यह भी है कि श्री हनुमान जी का गोस्वामी तुलसीदास जी को सान्निध्य प्राप्त था। गोस्वामी तुलसीदास असाधारण कवि, साधक और धार्मिक अग्रदूत हैं। 40 दोहों के श्री हनुमान चालीसा के द्वारा किसी भी कवि की आम जनता में उतनी पहुंच नहीं है जितनी श्री राम और श्री हनुमान साधक गोस्वामी तुलसीदास जी की है। भारतीय धर्म साधना में श्री हनुमान चालीसा कोटि कोटि जन को भयमुक्त करती है। इसका वाचन करते समय साधक ऊर्जावान हो उठता है। गोस्वामी तुलसीदास जी रुद्रावतार श्री हनुमान जी से बल, बुद्धि और विद्या मांगते हैं। इसके साथ ही वे कहते हैं कि मेरे मन के सभी विकार दूर कीजिए। इस तरह वे कलुषित मनुष्य को मनोविकारों से दूर रखने हेतु श्री हनुमान जी से वरदान मांगते हैं। हिंदुस्तान की तत्कालीन पराजित जाति में आत्मगौरव का भाव जागृत करने का सर्वाधिक मुखर प्रयास गोस्वामी तुलसीदास का था। इसके साथ ही इस्लाम के प्रभाव को निस्तेज करने का प्रयास गोस्वामी तुलसीदास जी ने अपने काव्य से किया। भक्ति आदमी को जीने की राह दिखाती है। वह निष्कपट होती है। यह अकारण नहीं है कि सन 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में योद्धाओं में श्री हनुमान चालीसा ने आत्मगौरव और साहस का भाव जागृत किया था। गोस्वामी तुलसीदास सिर्फ भक्त और कवि ही नहीं थे बल्कि वे अपने युग के धार्मिक नेतृत्व कर्ता थे। जितने भी तरह से तत्कालीन ऐतिहासिक शासन सत्ता का प्रतिरोध वे कर सकते थे उन्होंने किया। काव्य तो बस एक माध्यम भर था। ऐतिहासिक कथा है कि एक बार अकबर ने गोस्वामी तुलसीदास जी के अभियान को देखकर उन्हें अपने दरबार में बुलाया। अकबर ने तुलसीदास से कहा कि अपने श्रीराम से मिलवाओ। इस पर गोस्वामी तुलसीदास ने कहा कि वे सिर्फ अपने भक्तों को ही दर्शन देते हैं। इस पर अकबर क्रुद्ध हुए और गोस्वामी तुलसीदास को फतेहपुर सीकरी के कारागार में बंद करवा दिया। इसके बाद बड़ी संख्या में बंदरों ने फतेह पर सीकरी को घेर लिया। गोस्वामी तुलसीदास के लिए बंदरों को श्री हनुमान जी ने भेजा था। फिर इस स्थिति से निपटने के लिए अकबर बादशाह को गोस्वामी तुलसीदास को जेल से मुक्त करवाना पड़ा। इसके बाद बंदरों ने भी घेराव समाप्त किया। आज 2023 में ये ऐतिहासिक तथ्य हम लोगों को कल्पना प्रतीत हो सकती हैं किंतु आज भी अयोध्या धाम में आप श्री हनुमान भक्त बंदरों की सांगठनिक एकता को देख सकते हैं। श्री हनुमान जी की अपने ऊपर कृपा देख गोस्वामी तुलसीदास जी ने श्री हनुमान चालीसा का प्रणयन किया।

लेखक विनय कांत मिश्र/दैनिक बुद्ध का संदेश

प्रत्यारोप जवाब नहीं होते

राहुल गांधी और महुआ मोइत्रा ने कुछ ठोस सवाल पूछे हैं। बेहतर नजरिया यह होता कि इन प्रश्नों के ठोस जवाब देश के सामने प्रस्तुत किए जाते। लेकिन– जैसाकि सत्ताधारी दल और उसके समर्थक इकॉ–सिस्टम का तरीका रहा है– उन्होंने जवाबी आरोपों की झड़ी लगा दी है।

देश–दुनिया में बहुत सी बातें अनुभवजन्य होती हैं। उनके कोई लिखित सबूत नहीं होते, लेकिन इनसान उसमें इसलिए भरोसा करता है, क्योंकि उसके पास ऐसा करने के कारण होते हैं। इसी तरह कई मामलों में साक्ष्य ठोस नहीं, बल्कि परिस्थितिजन्य होते हैं।

ऐसे सबूतों को तो न्यायिक निर्णयों में भी अहमियत दी जाती है। राहुल गांधी ने लोकसभा में दिए अपने भाषण में गौतम अडानी से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रिश्तों और अडानी साम्राज्य खड़ा होने के पीछे उसके हाथ की जो लंबी चर्चा की, वह अनुभवजन्य और परिस्थितिजन्य चर्चाओं के आधार पर ही की। उन्होंने जो कहा, उसमें कोई नई बात नहीं है। बल्कि न सिर्फ आम चर्चाओं, बल्कि देशी–विदेशी मीडिया में भी उनकी बात होती रही है। अब जबकि अडानी घराने के ऊपर हिंडनबर्ग रिपोर्ट से कई गंभीर आरोप सामने आए हैं और देश की विनियामक संस्थाओं पर गंभीर प्रश्न खड़े हुए हैं, तो जाहिर है, उन चर्चाओं ने भी गंभीर रूप ले लिया है। राहुल गांधी या महुआ मोइत्रा ने इन्हें ही सिलसिलेवार ढंग से सदन में रखा है।

दोनों ने प्रधानमंत्री और सरकार कुछ ठोस सवाल पूछे हैं। बेहतर नजरिया यह होता कि इन प्रश्नों के ठोस जवाब देश के सामने प्रस्तुत किए जाते। लेकिन– जैसाकि सत्ताधारी दल और उसके समर्थक इकॉ–सिस्टम का तरीका गुजरे वर्षों में रहा है– उन्होंने जवाबी आरोपों की बौछार लगा दी है। महुआ मोइत्रा ने सदन में कहा कि सोशल मीडिया पर उन्हें एक अमेरिकी बैंक, चीन और यहां तक कि अंबानी का एजेंट बताया जा रहा है। राहुल गांधी का भाषण भी खत्म होते ही उन पर जवाबी हमलों की झड़ी लगा दी गई। लेकिन सरकार और सत्ता पक्ष को यह समझना चाहिए कि विपक्ष की छवि नष्ट करने से वे सवाल गायब नहीं होंगे, जो उसकी तरफ से उठाए गए हैं। इससे सत्ता पक्ष अपने समर्थक जमात को टॉकिंग प्वाइंट्स मुहैया करा सकता है और अपने संभावित चुनावी नुकसान को सीमित कर सकता है, लेकिन ऐसे तरीकों से हिंडनबर्ग रिपोर्ट से भारतीय कारोबार जगत को लेकर दुनिया भर में जो संदेह पैदा हुआ है, उस साये को छांटना संभव नहीं होगा।

भारतीय समाजः चिंतन से उपजी जातीय व्यवस्था

आदि काल तक ब्राह्मण वन क्षेत्र में ही कुटीर बना कर रहता और भिक्षा से ही गुरु कुल चलाता था। नैमिष विमर्श के बाद स्थापित जाति व्यवस्था में कालांतर में कई बदलाव होते गए। त्रेता और द्वापर की जातीय व्यवस्था में अंतर दिखता है। इसी प्रकार अब कलयुग में आरक्षण ने पूरे सामाजिक समीकरण को बदल कर रख दिया है। छोटी और पिछड़ी जातियों में नये ब्राह्मण और राजन पैदा हो गए हैं...

विजय शंकर पंकज

विश्व की सबसे प्राचीन भारत की सनातन परंपरा ने समाज के सभी वगरे में सहयोग, समन्वय, सामंजस्य और मैत्री भाव स्थापित करने के लिए कालांतर में कई मानक स्थापित किए। वर्ण व्यवस्था से लेकर जातीय समीकरण इन्ही मापदंडों के तहत है। इनमे किसी वर्ग विशेष का न तो कोई महत्त्व है और नहीं कोई योगदान। वैदिक काल में जिन विद्वानों ने इस परंपरा को आगे बढ़ाया, वे ब्राह्मण कहलाए। उस समय सबके लिए किसी भी वर्ण में स्थापित होने का मार्ग खुला था।

कालांतर में जब वर्ण व्यवस्था (समाज) सभी वगरे को समायोजित करने में छोटी पडने लगी तो तात्कालिक चिंतकों के विचार–विमर्श से जातीय व्यवस्था बनाई गई। जातीय व्यवस्था भारतीय समाज के चिंतन से उपजी है। इसमें ब्रह्मण या किसी अन्य वर्ग का कोई योगदान नहीं है।

जो लोग भारतीय समाज की जातीय व्यवस्था की ऊंच, नीच और छोटा, बड़ा की बात कहकर आलोचना करते हैं, वो समाज के समन्वय धरातल को नहीं पहचानते। दुनिया के सभी समाज में जातीय व्यवस्था है। भारत के अलावा दुनिया की किसी व्यवस्था में समन्वय और सहयोग की स्थिति नहीं है। भारत की कृषि से लेकर विवाह जैसे मांगलिक कार्यों में सभी जातियों का सहयोग होता है। इसी प्रकार यज्ञ तथा बड़े धार्मिक आयोजनों में भी सभी को सहभागिता होती है। समय के साथ सभी व्यवस्थाओं में कुरीतियां आती है, लेकिन भारतीय समाज ने उसमे समय के साथ सुधार का कदम भी उठाया है। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत का एक बयान आज कल काफी चर्चा में है। भागवत ने कहा कि जाति व्यवस्था ब्राह्मणों ने बनाई। इससे ब्राह्मण वर्ग के साथ जातीय समीकरण के लोग अपना ज्ञान बता रहे हैं। असल में किसी अज्ञानता के लिए कोई जिम्मेदार नहीं होता। भागवत भारतीय समाज की अवधारणा और जातीय व्यवस्था के जानकार नहीं है।

संघ प्रमुख होने से वह हिंदुत्व के भी विशेषज्ञ नहीं हैं। भागवत की अल्पज्ञता नाराजगी का विषय नहीं है। कभी कभी बड़े पद पर आसीन व्यक्ति को यह एहसास होता है कि वह सर्वज्ञ है और वह जो कुछ भी कहेगा, वही माना जाएगा। भगवान कृष्ण ने गीता में कहा है कि बड़े पद पर बैठे व्यक्ति की वाणी नियंत्रित और व्यवहार संयमित होना चाहिए। देश में कुछ ऐसे ही लोगों की वाणी से सामाजिक दुर्व्यवहार की घटनाएं होती हैं। बात जातीय व्यवस्था की हो रही है। जातीय व्यवस्था से किसी वर्ग विशेष का नहीं कोई योगदान है और नहीं कोई प्रभाव।

भारतीय समाज में जातीय व्यवस्था से पहले वर्ण व्यवस्था थी। सबसे पुराने ऋग्वेद के पुरु ष सूक्त में वर्ण व्यवस्था का जिक्र आता है। इसमें सृष्टि एवं ब्रह्मांड की तुलना एक महापुरु ष से की गई है। श्ब्राह्मणों असी मुखम आसिद, बाहू राजन्य कृत, उरू तदस्य यद वैश्य, पदाभियाम शुद्रो अजायत।य अर्थात इस महापुरु ष के मुख से ब्राह्मण, बाहों से क्षत्रिय, इसे राजन कहा गया है, उरू यानी की मध्य भाग जिसे पेट भी कहते हैं, से वैश्य और पैर से शुद्र पैदा हुए। वेद में आगे चल कर इसकी विस्तृत व्याख्या हुई है। बहरहाल, ऋग्वेद शुद्र को समाज का सबसे महत्त्वपूर्ण बताता है। पहले तीन वर्ण के क्रियाकलाप एक दायरे में सीमित हैं, लेकिन इन तीनों की देखभाल करने की जिम्मेदारी शुद्र की है। शुद्र की महत्ता को देखते ही पैर पूजने की बात कही गई है। कभी भी मुख, बाह और पेट पूजने का जिक्र नहीं है। विश्व की किसी व्यवस्था में समाज में ऐसा तारतम्य नहीं है।

कई शुद्र समाज के लोग अच्छे शिक्षक के साथ आध्यात्मिक चेतना के पुरोधा रहे तो बहादुर योद्धा और कुशल व्यापारी भी रहे। भारतीय समाज ऐसी विभूतियों से भरा पड़ा है। शंकराचार्य को वैचारिक पवित्रता और ब्रह्म ज्ञान का आलोक एक सफाई कर्मी से मिली थी। राजा मनु मानवीय सभ्यता के पहले शासक यानी की राजा हुए। उस समय शासन के संचालन और सामाजिक व्यवस्था के लिए कोई नियम या कानून नहीं था। राजा मनु ने सामाजिक व्यवस्था को स्थापित करने और राजतंत्र के लिए वैदिक वर्ण व्यवस्था के अनुरूप नियमावली बनाई, जिसे श्मनुस्मृतिय कहते हैं। इसमें विभिन्न वगरे के लोगों को उनकी रु चि और दक्षता के अनुसार कर्म करने का प्रावधान किया गया है। इस प्रकार ऋग्वेद से लेकर मनु स्मृति तक वर्ण व्यवस्था में ब्राह्मण वर्ग का कोई योगदान नहीं है। जातीय व्यवस्था को लेकर ब्राह्मण की आलोचना करने वालो को सही संदर्भ में देखना चाहिए।

आदि काल तक ब्राह्मण वन क्षेत्र में ही कुटीर बना कर रहता और भिक्षा से ही गुरु कुल चलाता था। नैमिष विमर्श के बाद स्थापित जाति व्यवस्था में कालांतर में कई बदलाव होते गए। त्रेता और द्वापर की जातीय व्यवस्था में अंतर दिखता है। इसी प्रकार अब कलयुग में आरक्षण ने पूरे सामाजिक समीकरण को बदल कर रख दिया है।

छोटी और पिछड़ी जातियों में नये ब्राह्मण और राजन पैदा हो गए हैं। ये लोग ब्राह्मण को गाली देकर और सामाजिक दुर्व्यवस्था का ठीकरा फोड़ अपने ही समाज का शोषण कर रहे हैं।

इधर पूंजीगत व्यय में वृद्धि और उधर गरीबों की उपेक्षा

अब सवाल यह उठता है कि क्या गुणक प्रभावों के माध्यम से उच्च पूंजीगत व्यय से विकास में तेजी आएगी ? समस्या यह है कि उच्च सरकारी पूंजी निवेश के बावजूद निजी निवेश नहीं आ रहा है। 2010–11 में जीडीपी में जो सकल स्थिर पूंजी निर्माण ्र्रजीएफसीएफ्र्र 39 फीसदी था उसमें तेजी से गिरावट आई और यह गिरावट एनडीए के तहत लगभग 31 फीसदी तक जारी रही। कोविड के...

डॉ. टीएम थॉमस इसाक

वित्त मंत्री के पास एक विकल्प यह था कि अधिक कर संसाधन जुटाए जाएं। इसके लिए अति–धनाढ्यों पर एक छोटा सा संपत्ति कर लगाने की चाल चली जा सकती थी। लेकिन केंद्रीय वित्त मंत्री अमीरों से ज्यादा संसाधन जुटाना नहीं चाहती हैं। वास्तव में, कर जीडीपी अनुपात पिछले वर्ष के समान स्तर पर बना हुआ है। भारत जल्द ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था तो बन सकता है, परन्तु सबसे बड़ा विरोधाभास यह है कि संसद में पिछले सप्ताह पेश किया गया 2023–24 का बजट यही सुनिश्चित करेगा कि तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में औसत नागरिक के जीवन की गुणवत्ता की रैंकिंग अगली तिमाही में वैश्विक सूची में सबसे नीचे हो। तेज गति के साथ उचित वितरण किसी भी बजट का उद्देश्य होना चाहिए। इसके अलावा हर बजट का आकलन राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की इस उक्ति से किया जाना चाहिए– श्सबसे गरीब और सबसे कमजोर व्यक्ति के चेहरे को याद करें जिसे आपने देखा होगा और खुद से पूछें कि क्या यह कदम जो आप सोचते हैं, वह उसके लिए किसी काम का होने जा रहा है?श आज आम भारतीय नागरिक की क्या स्थिति है? नीचे के 50 प्रतिशत नागरिकों के पास राष्ट्रीय संपत्ति का 6 फीसदी से कम और राष्ट्रीय आय का 15 फीसदी से कम हिस्सा है। विश्व असमानता रिपोर्ट– 2022 ने इस स्थिति को उजागर करते हुए भारत को बढ़ती गरीबी और श्समृद्ध अभिजात वर्गश के साथ सबसे असमानताओं वाले देशों में रखा है। एनडीए अवधि के दौरान राष्ट्रीय आय में वृद्धि 8 फीसदी थी जो कोविड की पूर्व संध्या की तिमाही में घटकर 3.1 फीसदी हो गई थी। अगर हम 2019–20 से 2022–23 तक के चार वर्षों के औसत को लें तो विकास दर 2.7 फीसदी पर आ जाएगी। 2021–22 में प्रति व्यक्ति आय कोविड से पहले की प्रति व्यक्ति आय से कम है लेकिन इस बजट की मूल धारणा यह है कि श्कई देशों से पहले भारत में वित्त वर्ष 2022 में पूर्ण सुधार होगा और देश वित्त वर्ष 2023 में महामारी से पहले की वृद्धि दर के रास्ते पर चलने की स्थिति में है।श 2021–22 तक स्थिति में पूर्ण सुधार की स्थिति घोषित करने के बाद इस बात पर आश्चर्य है कि बजट ने गरीबों और आम नागरिकों से मुंह क्यों फेर लिया है? सरकार शहरी बेरोजगारी तथा मुद्रास्फीति में कमी का दावा करती है किन्तु वह ग्रामीण रोजगार पर चुप है। शहरी बेरोजगारी और मुद्रास्फीति दोनों अभी भी उच्च स्तर पर हैं। यह एक तथ्य है कि उपलब्ध आधिकारिक आंकड़े 1980 के दशक के दौरान गरीबी में गिरावट शुरू होने के बाद पहली बार आधिकारिक गरीबी रेखा के तहत लोगों की संख्या में वृद्धि की ओर भी इशारा करते हैं। पिछले चार वर्षों में प्रति व्यक्ति वास्तविक खपत प्रति वर्ष 5 फीसदी से कम बढ़ रही है। फिर भी बजट में उपभोक्ता मांग बढ़ाने के बजाय खाद्य सब्सिडी में कटौती करने का फैसला किया गया है। नॉमिनल फूड सब्सिडी 31 प्रतिशत घटाकर 2.87 लाख करोड़ रुपये से 1.97 लाख करोड़ रुपये कर दी गई है। गरीबी उन्मूलन कार्यक्रमों का महत्व घटा दिया गया है। उनमें सबसे महत्वपूर्ण मनरेगा है जिसका आबंटन घटाकर 60,000 करोड़ रुपये कर दिया गया है। 2021–22 में वास्तविक व्यय 98,468 करोड़ रुपये था और 2022–23 में अनुमानित व्यय 89,400 करोड़ रुपये है। राष्ट्रीय सामाजिक सहायता योजना, आंगनबाड़ियों, राष्ट्रीय आजीविका मिशन, पोषण कार्यक्रमों के लिए कुल आबंटन 60,000 करोड़ रुपये से कम पर जाकर रुक गया है। सकल घरेलू उत्पाद के अनुपात के रूप में उपर्युक्त गरीबी उन्मूलन कार्यक्रमों के लिए आबंटन 2022–23 में 0.79 फीसदी से घटकर 0.53 फीसदी हो गया है। पेयजल और आवास जैसे दो प्रमुख कार्यक्रमों के लिए 1.5 लाख करोड़ रुपये का आबंटन किया गया है जिनमें 2022–23 के संशोधित अनुमान से 13 फीसदी की वृद्धि हुई है लेकिन यह अभी भी 2021–22 के बजट अनुमान से नीचे है। पीएम–किसान योजना सहित कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के लिए आबंटन 1.4 लाख करोड़ रुपए है जो 2022–23 के बजट अनुमान से कम है। उर्वरक सब्सिडी में 22 फीसदी कटौती की गई है जो अब 2.25 लाख करोड़ रुपये से घटकर 1.75 लाख करोड़ रुपये रह गई है। खाद्य खरीद और बाजार हस्तक्षेप के लिए आबंटन 72000 करोड़ रुपये से घटाकर 60,000 करोड़ रुपये कर दिया गया है। शिक्षा एवं स्वास्थ्य क्षेत्रों में 2022–23 के बजट अनुमानों से मामूली सुधार देखा गया है, लेकिन जरूरत को देखते हुए यह पूरी तरह से अपर्याप्त है। सकल घरेलू उत्पाद के अनुपात में एनडीए शासनकाल के दौरान शिक्षा के लिए आबंटन में 2013–14 में 0.63 फीसदी से वर्तमान बजट में 0.37 फीसदी तक लगातार गिरावट देखी गई है। सामाजिक कल्याण व्यय का मुख्य भार राज्य सरकारें वहन करती हैं। राज्य सरकारों को केंद्रीय हस्तांतरण में कमी से भी इस पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने वाला है। यह आबंटन 2021–22 में 4.61 लाख करोड़ रुपये से घटकर 2022–23 में 3.67 लाख करोड़ रुपये रह गया है। वर्तमान आबंटन केवल 359 लाख रुपये है। ऐसी विकट परिस्थितियों में गरीबों के बजट को उपरोक्त तरीके से संकुचित क्यों किया गया? कारण यह है कि सरकार भविष्य के लिए राजकोषीय स्थिरता को सर्वोपरि मानती है। इसलिए इसने राजकोषीय घाटे को सकल घरेलू उत्पाद के 64 प्रतिशत से घटाकर 59 प्रतिशत कर दिया है। इसके साथ ही जीडीपी के संबंध में समग्र सरकारी व्यय को 2022–23 (संशोधित) में 15.3 प्रति सैकड़ा से घटाकर 14.9फीसदी कर दिया है। इसके अलावा, सरकार की विकास रणनीति में कोविड के बाद की अवधि के दौरान पूंजीगत व्यय में तेजी को बनाए रखना शामिल है। 2022–23 में पूंजीगत व्यय को जीडीपी के 3.9 फीसदी से बढ़ाकर 4.6फीसदी कर दिया गया है। समग्र व्यय और राजकोषीय घाटे में कमी को देखते हुए उच्च पूंजीगत व्यय पाना केवल गरीबों के लिए किए जाने वाले खर्च में कटौती के माध्यम से ही संभव है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने ठीक यही किया है।

जेमिमा रोड्रिगेज के चौकों की बरसात में धुल गई पाकिस्तान की टीम, विराट को भी किया याद

आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2023 में भारतीय टीम ने 12 फरवरी को टूर्नामेंट का आगाज पाकिस्तान की टीम को सात विकेट से मात देकर किया है। इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम ने 19 ओवर में तीन विकेट के नुकसान पर 151 रन बनाकर पाकिस्तान को हराया। भारत ने पहली बार 150 रनों का लक्ष्य टी20 क्रिकेट में हासिल किया है।

भारत की इस जीत में मुख्य भूमिका निभाई बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिगेज ने जिनका बखूबी साथ निभाया विकेटकीपर ऋचा घोष ने। चौथे विकेट के लिए जेमिमा और ऋचा के बीच 33 गेंदों में 58 रनों की साझेदारी हुई। जेमिमा ने ऋचा के साथ मिलकर आठ चौकों की मदद से 38 गेंदों में 53 रनों की नाबाद और टीम को जीत दिलाने वाली पारी खेली। पारी जेमिमा के साथ ही ऋचा ने भी 20 गेंदों में पांच चौको की मदद से नाबाद 31 रनों की पारी खेली।

जेमिमा ने अंतिम सात गेंदों में धोनी की तरह छक्का तो नहीं लगाया मगर पारी का अंत विजय स्टार की तरह खत्म की जिस तरह से मैदान पर इस जीत का जश्न जेमिमा ने मनाया वो पूरी तरह से पूर्व कप्तान विराट कोहली की याद दिलाता दिखा। वर्ष 2022 में 23 अक्टूबर को दिवाली से एक दिन पहले टी20 विश्व कप के मुकाबले में भारत और पाकिस्तान के बीच हुए मुकाबले में कुछ इसी तरह से विराट ने जीत का जश्न मनाया था। उसी अंदाज में जेमिमा भी हवा में हाथ उठाते हुए पिच पर दौड़ती दिखी। इस मैच के बाद जेमिमा को श्प्लेयर ऑफ दी मैचश चुना गया था।

विराट का भी किया जिक्र

इस जीत के बाद जेमिमा ने अपनी जीत के जश्न में पूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले मुकाबले हमेशा खास होते है। दोनों देशों के बीच मुकाबले होते बचपन से देखे है। ऐसे ही मुकाबलों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर विराट कोहली ने पाकिस्तान के खिलाफ धमाकेदार पारी खेलकर भारत को जीत दिलाई थी। उस पारी को हम हमेशा याद करते है। हम भी चाहते थे विराट कोहली जैसी उस पारी को खेलना और उसी अंदाज में मुकाबले को जीतना।

रूस की 5 हजार गर्भवती महिलाओं ने छोड़ा देश, सामने आई चौंकाने वाली वजह

यूक्रेन से जंग के बीच अब तक 5 हजार से ज्यादा गर्भवती महिलाएं रूस से अर्जेंटीना जा चुकी हैं। ऐसी 33 महिलाएं गुरुवार को राजधानी ब्यूनस आयरिस पहुंचे। राष्ट्रीय प्रवासन एजेंसी के अनुसार नवीनतम आगमन सभी गर्भावस्था के अंतिम सप्ताह में थे। ऐसा माना जाता है कि महिलाएं अर्जेंटीना की नागरिकता प्राप्त करने के लिए यह सुनिश्चित करना चाहती हैं कि उनके बच्चे अर्जेंटीना में पैदा हों। आगमन की संख्या हाल ही में बढ़ी है। हालांकि स्थानीय मीडिया का सुझाव है कि यूक्रेन में युद्ध का परिणाम है। माइग्रेशन एजेंसी के प्रमुख फ्लोरेंसिया कैरिग्नानो ने ला नेसिओन को बताया कि गुरुवार को एक उड़ान से अर्जेंटीना की राजधानी पहुंची 33 महिलाओं में से तीन को ष्उनके दस्तावेजीकरण में समस्याष के कारण हिरासत में लिया गया था। उन्होंने कहा कि रूसी महिलाओं ने शुरू में दावा किया था कि वे पर्यटकों के रूप में अर्जेंटीना जा रही थीं। इन मामलों में यह पाया गया कि वे पर्यटन गतिविधियों में शामिल होने के लिए यहां नहीं आए थे। उन्होंने इसे स्वयं स्वीकार किया।

उन्होंने कहा कि रूसी महिलाएं चाहती थीं कि उनके बच्चों के पास अर्जेंटीना की नागरिकता हो क्योंकि यह रूसी पासपोर्ट की तुलना में अधिक स्वतंत्रता देता है। कैरिग्नानो ने कहा कि समस्या यह है कि वे अर्जेंटीना आते हैं, अपने बच्चों को अर्जेंटीना के रूप में साइन अप करते हैं और छोड़ देते हैं। हमारा पासपोर्ट दुनिया भर में बहुत सुरक्षित है। यह (पासपोर्ट धारकों) को 171 देशों में बिना वीजा के प्रवेश करने की अनुमति देता है। अर्जेंटीना पुलिस की तरफ से लगातार ऐसे गैंग पर छापे मारे जा रहे हैं, जो रूसी महिलाओं के फर्जी पासपोर्ट बनवाने और उन्हें अर्जेंटीना में दाखिल होने में मदद करते हैं। ये गैंग अपनी सर्विस के लिए 29 लाख रुपये तक की फीस वसूल करते हैं। अर्जेंटीना की माइग्रेशन एजेंसी ने बताया कि गुरुवार को उड़ान से ब्यूनस आयरस पहुंची 33 में से तीन महिलाओं को दस्तावेंजों में समस्या के कारण हिरासत में ले लिया गया।

भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया सीरीज के बीच हुआ बड़ा बदलाव, बीसीसीआई ने शिफ्ट किया धर्मशाला से वेन्यू, अब यहां होगा मुकाबला

नयी दिल्ली। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच एक से पांच मार्च तक होने वाला तीसरा टेस्ट खराब आउटफील्ड के कारण धर्मशाला से इंदौर स्थानांतरित कर दिया गया है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने सोमवार को यह जानकारी दी। मैच को स्थानांतरित किया जाएगा इसकी पुष्टि रविवार को ही हो गई थी जब बीसीसीआई के क्यूरेटर तापस चटर्जी की रिपोर्ट में नई आउटफील्ड को अंतरराष्ट्रीय मुकाबले के लिए अनफिट बताया गया था।

बीसीसीआई सचिव जय शाह ने बयान में कहा, ''बोर्डर–गावस्कर ट्रॉफी के लिए ऑस्ट्रेलिया के भारत दौरे का तीसरा टेस्ट जो एक से पांच मार्च तक धर्मशाला के एचपीसीए स्टेडियम में होना था, वह अब इंदौर के होल्कर स्टेडियम में होगा।'' शाह ने कहा, ''क्षेत्र में कड़ी शीतकालीन परिस्थितियों के कारण आउटफील्ड में पर्याप्त घास नहीं है और इसके पूरी तरह तैयार होने में समय लगेगा।'' खराब मौसम ने भी हिमाचल प्रदेश क्रिकेट संघ (एचपीसीए) की मुसीबत बढ़ाई क्योंकि स्थानीय मैदान कर्मियों को घास उगाने के लिए पर्याप्त समय नहीं मिला।

नवीनतम निरीक्षण से पहले भी बीसीसीआई की पिच एवं मैदान समिति ने एक बार मैदान का दौरा किया था और उस समय भी यह तैयार होने के करीब भी नहीं था। इसके बाद कार्यक्रम तय करने वाली बीसीसीआई की टीम पर सवाल उठ रहे हैं कि मैच को आवंटित करते हुए मौसम सहित सभी पहलुओं पर ध्यान क्यों नहीं दिया गया। धर्मशाला स्टेडियम में पिछले एक सत्र में कोई क्रिकेट नहीं हुआ है। इस मैदान पर पिछले दो अंतरराष्ट्रीय मुकाबले बारिश की भेंट चढ़ गए थे जो दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 और एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबले थे। बारिश होने के बाद मैदान को कम ओवरों के मुकाबले के लिए भी तैयार नहीं किया जा सका था।

पिच और आउटफील्ड को नए सिरे से तैयार किए जाने के कारण हिमाचल प्रदेश की रणजी टीम अपने घरेलू मुकाबले नादौन में खेल रही है। किसी मैदान पर अंतरराष्ट्रीय मैच की मेजबानी करने के लिए कुछ मानकों को पूरा करना होता है और एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय, टी20 अंतरराष्ट्रीय या टेस्ट की मेजबानी से कुछ हफ्तों पहले मैदान पर कम से कम एक प्रतिस्पर्धी मैच आयोजित होना चाहिए। इंदौर का होल्कर स्टेडियम मौजूदा सत्र में कई प्रथम श्रेणी मुकाबलों और आयु ग्रुप मुकाबलों की मेजबानी कर चुका है। यहां पिछला मुकाबला 12 फरवरी से मध्य प्रदेश और बंगाल के बीच रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल खेला गया था।

मैच स्थानांतरित करने से दर्शकों को काफी परेशानी होगी। बाहर से आने वाले दर्शक टेस्ट मैच का आनंद लेने के साथ धर्मशाला की खूबसूरती का भी लुत्फ उठाने की उम्मीद कर रहे थे। धर्मशाला भारत का सबसे खूबसूरत क्रिकेट स्थल है क्योंकि यह स्टेडियम धौलाधार पर्वतमाला के करीब बना है। जब भी भारत धर्मशाला में खेलता है तो काफी लोग मैच देखने के लिए दिल्ली, चंडीगढ़ और शिमला से आते हैं। ऑस्ट्रेलियाई प्रशंसकों ने भी टेस्ट मैच के साथ मैकलियोगंज का दौरा करने की भी योजना बनाई थी।

इमरान खान ने पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल बाजवा के खिलाफ 'आंतरिक सैन्य जांच' की मांग की

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने उनकी सरकार गिराने में पूर्व सैन्य प्रमुख जनरल (सेवानिवृत्त) कमर जावेद बाजवा की भूमिका की सेना द्वारा ''आंतरिक जांच'' कराने की मांग की है। खान ने यह मांग बाजवा के कथित 'कबूलनामे' के बाद की है। शुक्रवार को प्रसारित 'वॉयस ऑफ अमेरिका उर्दू' के साथ साक्षात्कार में खान ने एक बार फिर कहा, ''पाकिस्तान मुस्लिम लीग– नवाज (पीएमएलएन –एन), पीडीएम (पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट) और सत्ता प्रतिष्ठान सब एक तरफ खड़े हैं. इन सब ने मिलकर हमारी सरकार को हटा दिया और जनरल बाजवा ने सरकार गिराने की बात तब स्वीकार की जब उन्होंने एक पत्रकार को अपना बयान दिया कि किन कारणों से सरकार को हटाया गया।'' उन्होंने हाल में एक स्तंभ में प्रकाशित जनरल बाजवा की टिप्पणी का हवाला दिया। इसमें बाजवा ने कहा कि उनका ''अपराध'' खान की सरकार को बचाने के लिए आगे नहीं आना है। उन्हें यह कहते हुए भी उद्धृत किया गया था कि ''ये लोग (खान के नेतृत्व वाली पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ) देश के लिए खतरनाक हैं''।

मस्कट में चौरसिया शीर्ष भारतीय, कनाया को खिताब

मस्कट। एसएसपी चौरसिया ने अपने 2023 अंतरराष्ट्रीय सत्र की अच्छी शुरुआत करते हुए यहां 20 लाख डॉलर इनामी अंतरराष्ट्रीय गोल्फ सीरीज में संयुक्त 30वां स्थान हासिल किया और भारतीय गोल्फरों के बीच शीर्ष पर रहे। चौरसिया ने 75, 71, 72 और 73 का स्कोर बनाया तथा राशिद खान के साथ संयुक्त 30वें स्थान पर रहे। एशिाई टूर पर दो बार के विजेता राशिद ने 70, 77, 70 और 74 का स्कोर बनाया। जापान के प्रतिभावान ताकुमी कनाया ने देश के बाहर पहला पेशेवर खिताब जीता। उन्होंने अंतिम दौर में एक अंडर 71 के स्कोर से कुल 10 अंडर का स्कोर बनाया। जापान के 24 साल के कनाया ने अमेरिका के बैरी हेनसन (70) और थाईलैंड के सेडम केईवकांजाना को चार शॉट से पछाड़ा। अन्य भारतीयों में शिव कपूर (75) और ज्योति रंधावा (76) संयुक्त 43वें जबकि गगनजीत भुल्लर संयुक्त 53वें स्थान पर रहे। एस चिकारंगप्पा (76) ने संयुक्त 64वां और हनी बैसोया (71) ने संयुक्त 77वां स्थान हासिल किया।

नागपुर में मिली शर्मनाक हार पर भड़के ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज, ICC से कर दी यह मांग

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चार टेस्ट मैचों की श्रृंखला खेली जा रही है। पहले मुकाबले में भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया को बूरी तरीके से हरा दिया। भारत ने एक पारी और 132 रनों से ऑस्ट्रेलिया को मात दी है। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज भारतीय स्पिनरों के सामने घुटने टेक पर नजर आए। ऑस्ट्रेलिया के इस हार पर कई खिलाड़ियों ने नाराजगी भी जताई है। इन सबके बीच ऑस्ट्रेलिया के पूर्व विकेटकीपर इयान हिली ने एक बड़ा मुद्दा उठाया है। उन्होंने कहा कि यह वास्तव में शर्मनाक है कि नागपुर के इस विकेट पर कुछ अभ्यास सत्र आयोजित करने की हमारी योजना विफल रही। यह अच्छा नहीं है। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व खिलाड़ी ने कहा कि जो हुआ वह क्रिकेट के लिए अच्छा नहीं है। आईसीसी को यहां नागपुर की पिच पर स्पिनरों के खिलाफ अभ्यास करने की योजना

दखल देने की जरूरत है। उन्होंने यह भी कहा कि जब अभ्यास के लिए अनुरोध किया गया था तो विकेट पर पानी डालना भी गलत था और इस तरह के मुद्दे पर आगे ध्यान रखना जरूरी है। आपको बता दें कि ऑस्ट्रेलियाई टीम मैनेजमेंट में बनाई थी। लेकिन यह संभव नहीं हो पाया। बताया जा रहा है कि जब ऑस्ट्रेलियाई मैनेजमेंट की ओर से यह अनुरोध किया गया था उस वक्त पिच पर पानी दे दिया गया था।

ऑस्ट्रेलिया की कमजोरी को उजागर हुई: चौपल

पूर्व दिग्गज खिलाड़ी इयान चौपल को लगता है कि भारत के खिलाफ पहले टेस्ट में घुटने टेकने से ऑस्ट्रेलिया की स्पिन के खिलाफ कमजोरियां उजागर हो गई हैं और उन्होंने कहा कि पैट कमिंस के नेतृत्व में दौरे पर आई टीम को तेजी से परिस्थितियों से सामंजस्य बैठाने की जरूरत है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया से भारत में पिचों के बारे में सोचना बंद करने और सिर्फ अपने काम पर ध्यान देने को कहा। रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा की स्पिन जोड़ी ने ऑस्ट्रेलिया को लाल मिट्टी के विकेट पर काफी परेशान किया और मेहमान टीम शनिवार को दूसरी पारी में सिर्फ 91 रन पर ढेर हो गई जो भारत में उसका न्यूनतम स्कोर है। भारत ने नागपुर में पहला टेस्ट तीन दिन के भीतर पारी के अंतर से जीता।

अमेरिका और चीन में छिड़ा बैलून वॉर, ड्रैगन का आरोप– 10 से ज्यादा बार जासूसी गुब्बारे उसकी हवाई सीमा में घुसे

अमेरिका द्वारा अपने हवाई क्षेत्र में उड़ रहे एक चीनी श्जासूसश गुब्बारे को मार गिराए जाने के कुछ दिनों बाद चीन ने कहा कि

जनवरी 2022 की शुरुआत के बाद से अमेरिकी उच्च ऊंचाई वाले गुब्बारे 10 से अधिक बार बिना अनुमति के उसके हवाई क्षेत्र में उड़े हैं। इस महीने की शुरुआत में संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा दक्षिण कैरोलिना के तट पर एक चीनी जासूसी गुब्बारे को मार गिराए जाने के बाद चीन का यह दावा आया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने दावा किया है कि अमेरिका ने जनवरी, 2022 से अब तक 10 से अधिक बार उसके हवाई क्षेत्र में जासूसी गुब्बारे भेजे हैं। हालाँकि, बीजिंग ने दावा किया कि गुब्बारा एक नागरिक अनुसंधान शिल्प था और उसने वाशिंगटन पर अति–प्रतिक्रिया करने का आरोप लगाया। बीजिंग में एक नियमित मीडिया ब्रीफिंग में एक सवाल के जवाब में, चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने कहा, ष्जनवरी 2022 की शुरुआत से 10 से अधिक बार अमेरिकी उच्च ऊंचाई वाले गुब्बारे बिना अनुमति के अपने हवाई क्षेत्र में उड़ चुके हैं। यह पूछे जाने पर कि चीन ने उड़ानों पर कैसी प्रतिक्रिया दी, वांग ने कहा कि ऐसी घटनाओं पर चीन की प्रतिक्रिया जिम्मेदार और पेशेवर है। अमेरिका ने चीनी गुब्बारे को मार गिराया: पिछले हफ्ते पेंटागन ने अमेरिका में मोंटाना पर एक उच्च ऊंचाई वाले चीनी निगरानी गुब्बारे को मँडराते हुए देखा गया। मालमस्ट्रॉम वायु सेना बेस में तीन परमाणु मिसाइल लॉन्च सुविधाओं में से एक है। गुब्बारे को लेकर बीजिंग ने दावा किया था कि वह एक मौसम अवलोकन हवाई जहाज था और अपने रास्ते से भटक गया था। जबकि अमेरिका ने इसे संप्रभुता का ष्स्पष्ट उल्लंघनष माना।गुब्बारा लगभग 200 फीट लंबा था और इसमें इलेक्ट्रॉनिक पेलोड था। अंततः 4 फरवरी को दक्षिण कैरोलिना के तट पर एक अमेरिकी लड़ाकू जेट द्वारा इसे मार गिराया गया। इसके बाद सेना ने डेटा एकत्र करने के लिए गुब्बारे के मलबे से जितने संभव हो उतने हिस्से निकाले।

खाने को नहीं दाने, लेकिन करने चले मदद!

शहबाज शरीफ के 30 मिलियन डॉलर वाले दावे पर पाकिस्तानियों ने ही लगा दी क्लास

पाकिस्तान खुद तो कंगाली के दौर से गुजर रहा है। दाने–दाने को मोहताज वहां की आवाम खाने के लिए तरस रही है। उसके पास न पैसे हैं और ना ही लोगों को दो जून की रोटी नसीब हो रही है। वहीं दूसरी तरफ पाकिस्तान के प्रधानमंत्री अपने देश की तारीफ करते थक नहीं रहे हैं। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने दावा किया है कि एक अज्ञात पाकिस्तानी ने तुर्की–सीरिया भूकंप के पीड़ितों के लिए 30 मिलियन अमरीकी डालर का दान दिया है। पाकिस्तान के पीएम ने कहा कि पाकिस्तानी नागरिक ने अमेरिका में तुर्की के दूतावास में जाकर चंदा दिया। शरीफ ने ट्वीट करते हुए कहा कि एक गुमनाम पाकिस्तानी के उदाहरण से बहुत प्रभावित हुआ, जो अमेरिका में तुर्की दूतावास में गया और तुर्की और सीरिया में भूकंप पीड़ितों के लिए 30 मिलियन डॉलर का दान दिया। ये परोपकार के ऐसे शानदार कार्य हैं जो मानवता को दुर्गम प्रतीत होने वाली बाधाओं पर विजय प्राप्त करने में सक्षम बनाते हैं। पीएम शरीफ के ट्वीट के कुछ ही देर बाद कई पाकिस्तानी ट्विटर पर आ गए और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री को ट्रोल करना शुरू कर दिया। लेखक आयशा सिद्दीका ने ट्वीट करते हुए कहा कि दिलचस्प बात यह है कि ये परोपकारी व्यक्ति चुपचाप पाकिस्तानी दूतावास में नहीं गया और इस पैसे को बाढ़ राहत के लिए इस्तेमाल किया। आश्चर्य है क्यों? किया। पाकिस्तानी पत्रकार इहतशाम उल हक ने ट्वीट किया, ष्लोल, इसके बजाय खुद से एक सवाल पूछें कि वह पाकिस्तानी दूतावास क्यों नहीं गए।

प्रधानाध्यापक समेत सात शिक्षकों का वेतन रोका

महराजगंज। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी आशीष कुमार सिंह ने जिले के 12 परिषदीय व दो कस्तूरबा विद्यालयों का निरीक्षण किया। निरीक्षण में बिना सूचना के अनुपस्थित पाए जाने पर जहां प्रधानाध्यापक समेत सात शिक्षकों का वेतन व छह शिक्षामित्रों का मानदेय रोका। वहीं, प्रधानाध्यापक समेत पांच शिक्षकों को चेतावनी भी दी गई।

फरेंदा ब्लॉक के प्राथमिक विद्यालय मनिकौरा में बिना किसी सूचना के अनुपस्थित रहने पर प्रधानाध्यापक लक्ष्मण वर्मा को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए वेतन बाधित किया। लक्ष्मीपुर ब्लॉक के प्राथमिक विद्यालय पुरंदरपुर द्वितीय में प्रभारी प्रधानाध्यापक शालिनी गौंड़ का वेतन एवं शिक्षामित्र देवेश पांडेय व लाडली का मानदेय रोका। प्राथमिक विद्यालय पुरंदरपुर प्रथम में न्यून उपस्थिति पर प्रभारी प्रधानाध्यापक रागनी श्रीवास्तव को चेतावनी दी गई। कंपोजिट विद्यालय बोकवां में बच्चों की न्यून उपस्थिति पर प्रधानाध्यापक को कठोर चेतावनी दी गई व अनुपस्थित रहने पर शिक्षामित्र मालती चौरसिया का मानदेय रोका गया। प्राथमिक विद्यालय सिसवनिया विशुनपुर में बिना किसी सूचना पर अनुपस्थित रहने पर प्रभारी प्रधानाध्यापक शरद श्रीवास्तव का वेतन व शिक्षामित्र अरुंधती श्रीवास्तव का मानदेय रोका गया।

प्राथमिक विद्यालय पोखरभिंडा में बिना किसी सूचना के अनुपस्थित रहने पर प्रधानाध्यापक दिनेश सिंह का वेतन रोका गया। राजधानी में बच्चों की न्यून उपस्थिति पर प्रधानाध्यापक सुभाषचंद्र को कठोर चेतावनी दी गई। नौतनवां ब्लॉक के प्राथमिक विद्यालय महुअवां में चार से 11 फरवरी तक अनुपस्थित रहने पर शिक्षक रितेश जायसवाल का वेतन अगले आदेश तक रोक दिया गया।

कंपोजिट विद्यालय त्रिलोकपुर में प्रधानाध्यापक संजय कुमार का वेतन अगले आदेश तक तथा शिक्षक विनय कुमार व सरिता एवं शिक्षामित्र पूर्णमासी व रेनू का एक दिन का मानदेय रोका। प्राथमिक विद्यालय बेलभार रेहरा में शिक्षक शशिबाला वर्मा व नीरा मिश्रा अनुपस्थित मिलीं, जिस पर उन्हें नोटिस जारी किया गया।

पूर्व वार्डन का मानेदय रोका, लेखाकार को नोटिस

कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय मिठौरा के निरीक्षण में पूर्व वार्डन चित्रलेखा के अनुपस्थित रहने पर उनका एक दिन का मानदेय रोक दिया। वहीं, सदर कस्तूरबा में अनुपस्थित मिलने पर लेखाकार सीमा गोयल को भी नोटिस जारी किया है। विद्यालय की व्यवस्था को दुरुस्त रखने के निर्देश दिए गए।

मिशन शक्ति अभियान के तहत बालिकाओं को किया गया जागरूक

दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका बाजार,सिद्धार्थनगर। कस्बे में स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय पर सोमवार को मिशन शक्ति अभियान के तहत बालिकाओं को जागरूक किया गया और बताया गया कि। इस योजना

को प्रदेश की महिलाओं एवं बेटियों को सवालंबी एवं सुरक्षित बनाने के लिए आरंभ किया गया है। इस योजना के माध्यम से विभिन्न प्रकार के जागरूकता एवं ट्रेनिंग प्रोग्राम का संचालन किया जाता है जिससे कि महिलाओं को उनके अधिकारों से संबंधित जानकारी पहुंचाई जा सके। शासन द्वारा जारी हेल्पलाइन नंबर 112,181,1076,1090,102,108 आदि नंबरों के बारे जानकारी दी गई और 1930साइबर सुरक्षा हेल्पलाइन नंबर के बारे में भी जानकारी दी गई। थाना प्रभारी बलजीत राव ने बताया कि पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार हर एक विद्यालयों पर पहुंचकर मिशन शक्ति अभियान के बारे में जानकारी दी जा रही है।

कटिंग,सिलाई सीख महिलाएं होंगी आत्मनिर्भर

दैनिक बुद्ध का संदेश

कपिलवस्तु,सिद्धार्थनगर। एसएसबी की सामाजिक लघु चेतना अन्तर्गत स्वावलंबी आत्मनिर्भरता स्वरोजगार के तहत महिलाओं को सिलाई का हुनर सिखाने के लिए शिविर लगाया गया है। क्षेत्र के शहीदे आजम भगत सिंह उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बजहा में तीस दिवसीय प्रशिक्षण

■ शाहीदे आजम भगत सिंह उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बजहा में प्रशिक्षण लेती अभ्यर्थिनी

कार्य चल रहा है। ट्रेनर आरती गुप्ता द्वारा सभी अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण दी जा रही हैं। महिलाओं ने बारह दिनों में स्कूल ड्रेस की शिलाई कर अपनी हुनर दिखाई है। ट्रेनर ने कहा महीना खत्म होते ही ये सभी प्रकार की कटिंग कर शिलाई करने में सक्षम होंगी। आगे अपने को स्वालंबी रोजगार परक बन सकेंगी। हर क्षेत्र में महिलाएं अपनी भागीदारी के लिए आगे आ रही हैं। ग्रामीण क्षेत्र में गृहस्थी कार्य के पश्चात हुनर सीखने के लिए जज्बा बना रखी है।जो सरकार के आत्मनिर्भर योजना को साकार बना रही है। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर बी ओ पी प्रभारी बजहां इंस्पेक्टर गिरधारी लाल, मुकेश कुमार चौधरी प्रधानाचार्य तेज बहादुर चौधरी के साथ शिविर का निरीक्षण किया।

आगामी 28 फरवरी को जिला सैनिक बंधु समिति की होगी बैठक

दैनिक बुद्ध का संदेश

गौतमबुद्धनगर। जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी गौतम बुद्ध नगर कर्नल कपिल कत्याल(अ0प्रा0) ने पूर्व सैनिकों का आह्वान करते हुए जानकारी दी है जिला अधिकारी गौतम बुद्ध नगर कि अध्यक्षता में पूर्व सैनिकों की समस्याओं के निस्तारण के लिए दिनांक 28 फरवरी 2023 को अपरान्ह 12:00 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष सूरजपुर में जिला सैनिक बंधु समिति की बैठक आहूत की जाएगी। अतः पूर्व सैनिकों आयोजित होने वाली बैठक में निर्धारित तिथि एवं स्थान पर पहुंचकर प्रतिभाग करते हुए अपनी समस्याओं का निस्तारण करा सकते हैं।

भ्रष्टाचार के विरुद्ध 581 दिनों के सत्याग्रह संकल्प का ऐतिहासिक सफर

गोरखपुर। मुख्यमंत्री के गृह नगर में तीसरी आंख मानवाधिकार संगठन द्वारा पीडब्ल्यूडी मुख्य अभियंता कार्यालय में कूट रचित भ्रष्टाचार के विरुद्ध प्रचलित सत्याग्रह संकल्प के 581वें दिन के स्थलीय सत्यापन हेतु पत्रकारों की टीम उक्त धरना स्थल पर पहुंची।

वार्ता के दौरान सत्याग्रह संकल्प पर बैठे सत्याग्रहियों ने खुलासा किया कि अब तक न तो प्रशासनिक अमले ने संज्ञान लिया और न ही शासकीय तंत्र द्वारा कोई सार्थक पहल की गई। यह एक अजीबोगरीब शासकीय तंत्र का दायित्व निर्वहन दिख रहा है जहाँ सरकारें भ्रष्टाचार पर जीरो टोलरेंस की दावेदारी करती है। वहीं मुख्यमंत्री के गृहनगर मे सीएजी रिपोर्ट के अनुसार अरबों रुपए के कारित कूटरचित भ्रष्टाचार एवं नाबालिग नियुक्ति,फर्जी नियुक्ति जैसे गंभीर प्रकरण पर अब तक की खामोशी समझ से परे है और व्यवस्था के दोहरे नीति को उजागर करती है। जो उनके कथनी और करनी के बीच व्यापक खाई को सत्यापित करती है। उपरोक्त क्रम में संगठन के संस्थापक अध्यक्ष महासचिव शैलेंद्र कुमार मिश्र ने बताया कि भ्रष्टाचार पर हटधर्मी शासकीय तंत्र की बेशर्मी है। इससे सहज अंदाजा लगाया जा सकता है कि भ्रष्टाचारियों के आगोश में शासकीय तंत्र आकंठ डूबा हुआ है। जबकि शासकीय तंत्र के गुप्तचर विभागों ने सत्याग्रह संकल्प के प्रति दिन के क्रियाकलापों को संज्ञान में देती आ रही है ऐसे में सत्याग्रह संकल्प को शासकीय तंत्र द्वारा संज्ञान में नहीं लिया जाना शासकीय तंत्र के सत्य निष्ठा को संदिग्ध प्रमाणित करती है। ऐसी सरकारों को लोक कल्याणकारी सरकार कहा जाना सार्थक प्रतीत नहीं हो रहा है। सत्याग्रह स्थल पर प्रदेश अध्यक्ष रमाकांत पांडे राजू, प्रदेश संयोजक डी एन सिंह, प्रदेश संगठन मंत्री आरके श्रीवास्तव, जिला मंत्री राम चंद्र दुबे, राष्ट्रीय कार्यकारी सदस्य वीरेंद्र कुमार वर्मा, गिरजा शंकर नाथ, राजेश्वर पांडे,विनोद त्रिपाठी आदि सत्याग्रही उपस्थित थे।

ज्योति के प्रयासों से सुपोषित हो रहे बच्चे

बेहतर प्रदर्शन कर नजीर बनीं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ज्योति

दैनिक बुद्ध का संदेश

महराजगंज। सिसवा ब्लॉक के ग्राम पंचायत रूदलापुर की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ज्योति सिंह (33) के प्रयासों से अति कुपोषित बच्चे सुपोषित हो रहे हैं। वह दो अति कुपोषित बच्चों को एनआरसी में भर्ती करवा कर स्वस्थ बना चुकीं हैं। वह केन्द्र पर पंजीकृत बच्चों को अक्षर ज्ञान कराने के साथ सुपोषण पर भी ध्यान देती है। गर्भवती को जहां समय–समय पर चेकअप, टीकाकरण कराते रहने के साथ पौष्टिक आहार लेते रहने की सलाह देती हैं, वहीं धात्री महिलाओं को स्तनपान और अनुपूरक आहार का महत्व भी बतातीं हैं। वह बेहतर प्रदर्शन कर नजीर बन चुकी हैं। बाल विकास परियोजना अधिकारी मनोज कुमार शुक्ला का कहना है कि अन्य आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को भी ज्योति से प्रेरणा लेकर बेहतर प्रदर्शन करना चाहिए। आंगनबाड़ी केन्द्र पर पंजीकृत साढ़े तीन वर्षीया सोनाली की मां माला (30) ने बताया कि उनके बच्ची का न वजन बढ़ रहा था न लम्बाई। बच्ची हमेशा सुस्त रहती थी। केन्द्र जब राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) की टीम आयी तो आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ने उनकी बच्ची की जांच करायीं। टीम ने बच्ची को अति कुपोषित बताकर पोषण पुनर्वास केन्द्र में भर्ती कराने की सलाह दी। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ने माला को यह भी बताया कि एनआरसी में बच्ची को समय–समय पर पौष्टिक आहार व इलाज की सुविधा मिलेगी। बच्ची के साथ मां को भी रहने खाने की सुविधा मिलती है। इतनी जानकारी मिलने के बाद माला अपनी बच्ची को एनआरसी में भर्ती कराने को राजी हो गयी। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता स्वयं बच्ची को एनआरसी में भर्ती कराने साथ गयीं। साथ में बच्ची की मां माला भी

पौष्टिक आहार और टीकाकरण की मिलती है जानकारी

केन्द्र पर पंजीकृत गर्भवती ज्ञानती (25) और मौसमी (21) ने बताया कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता द्वारा समय समय पर चेकअप और टीकाकरण कराने एवं पौष्टिक आहार लेते रहने की सलाह दी जाती है। वह जांच और टीकाकरण कराने साथ जाती हैं। सूखा राशन और पोषाहार से विभिन्न प्रकार के व्यंजन बनाकर सेवन करने के लिए प्रेरित करतीं हैं। दोनों गर्भवती ने यह भी बताया कि गर्भावस्था के दौरान आयरन, कैल्शियम और फोलिक एसिड की गोली का भी सेवन करने के लिए भी बताया गया है। यह दवाएं चेकअप के दौरान मिलती भी हैं।?

गयी। पांच अगस्त 2022 को एनआरसी में बच्ची को भर्ती करायीं। वहां 14 दिन रहने के बाद जब बच्ची डिस्चार्ज हुई तो वह स्वस्थ होने लगी। उसका 14 दिन में वजन 7.500 किग्रा से बढ़कर 7.900 किग्रा हो गया। वर्तमान में बच्ची पूरी तरह से स्वस्थ है। आंगनबाड़ी केन्द्र रूदलापुर पर इस समय 133 बच्चे, 13 गर्भवती और 17 धात्री महिलाएं पंजीकृत हैं। केन्द्र पर मात्र तीन बच्चे कुपोषित हैं। कोई बच्चा अति कुपोषित नहीं है। मुख्य सेविका मंजू सुनीता और मीनाक्षी ज्योति को आवश्यक सहयोग करती हैं। ज्योति बताती हैं कि बच्चों के माता पिता को पोषण का महत्व समझाना पड़ता है। उन्हें बताना होता है कि छह माह बाद दो साल की उम्र तक स्तनपान के साथ–साथ पूरक आहार भी देना अनिवार्य है। पूरक आहार घर का बना होना चाहिए। बच्चों को बाजार का खाना नहीं देना है। अति कुपोषित बच्चों के अभिभावक एनआरसी जाने को तैयार नहीं होते हैं। जब उन्हें एनआरसी की सुविधाओं के बारे में बताया जाता है और बार–बार प्रेरित किया जाता है तो यह चुनौती भी आसान हो जाती है। कुपोषित बच्चों को घर पर बने पौष्टिक आहार से ही सुपोषित करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्हें पुष्टाहार भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

सांस्कृतिक कार्यक्रम व मेधा सम्मान समारोह के साथ विदाई समारोह सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

भिटौली,महराजगंज। दुर्गावती देवी इंटर कालेज भैंसा में हाईस्कूल और इंटर के छात्र छात्राओं का विदाई समारोह और आशिर्वचन कार्यक्रम सोमवार को विद्यालय परिसर में सांस्कृतिक कार्यक्रम और मेधा सम्मान समारोह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि भाजपा के पूर्व जिला मंत्री प्रदीप कुमार उपाध्याय तथा विशिष्ट अतिथि राजेंद्र दुबे और पंडित काशी प्रसाद दीक्षित के गणित प्रवक्ता सुशील शुक्ल ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलित कर किया। विद्यालय की छात्रा रिजवाना, गरिमा, पल्लवी, अंशिका, रोशनी, महिबुन, अनामिका, अराध्या ने सरस्वती वंदना वीणा वादिनी ज्ञान की देवी प्रस्तुत कर सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। स्वागत गीत साजरा, आंचल, शिल्पा, प्रिया, अनामिका, सिद्धि, पायल खुशी, एवं उनकी सहेलियों ने प्रस्तुत कर अतिथियों का स्वागत किया। भक्ति गीत राधा रानी पर रिकार्डिंग नृत्य प्रस्तुत करके विद्यालय की छात्राएं स्नेहा निषाद व खुशी ने सबका मन मोह लिया ।प्रियम द्विवेदी आलोक चौधरी,दिव्यांशु पांडेय,त्रिशा पांडेय,प्रिया द्विवेदी, शिवानी ने रिकार्डिंग नृत्य प्रस्तुत

■ परिश्रम ही सफलता की कुंजी है-प्रदीप उपाध्याय
■ लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर अध्ययन करने से मिलेगी सफलता-सुशील शुक्ल

कर खुब तालियां बटोरी। मुख्य अतिथि प्रदीप कुमार उपाध्याय ने कहा कि परिश्रम ही सफलता की कुंजी है। विशिष्ट अतिथि राजेंद्र दुबे ने कहा कि विदाई एक सतत प्रक्रिया है। विशिष्ट अतिथि सुशील शुक्ला ने कहा कि लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर अध्ययन करने से सफलता अवश्य मिलेगी। समय को बर्बाद न करें अध्ययन में जुट जाएं। छात्र छात्राओं को गणित विषय में अच्छे अंक प्राप्त करने के टिप्स दिए। छात्र छात्राओं को अतिथियों ने पुरस्कृत किया। कार्यक्रम का संचालन राजेश त्रिपाठी ने किया। इस अवसर पर प्रबंधक जितेंद्र मिश्र ने आगंतुक अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया और छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना की। विद्यालय की प्रधानाचार्य करुणा मणि पटेल, प्रधानाचार्य राजेश कुमार तिवारी सुशील त्रिपाठी, कृष्णानंद दुबे, पीके वर्मा आदि शिक्षक शिक्षिकाएं मौजूद रही।

सर्वजीत दास इंटर कालेज राजमंदिर में पांचवीं पुण्यतिथि मनाई गई

दैनिक बुद्ध का संदेश

महराजगंज। सर्वजीत दास इंटर कालेज और विद्यावंती पब्लिक स्कूल राजमंदिर के संस्थापक प्रबंधक स्वर्गीय डाक्टर विरेन्द्र दास की पांचवीं पुण्य तिथि पर सोमवार को विद्यालय के प्रधानाचार्य और उनके पुत्र ई विजयेंद्र कुमार पटेल ने उनके चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलित किया। विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक बृजेश पटेल ने कहा कि नेक काम करने वाले हमेशा याद आते हैं।स्वर्गीय डा विरेन्द्र दास बीएचयू से अर्थाशास्त्र विषय में पीएचडी थे।शिक्षा से उनका लगाव था। उन्होंने इस क्षेत्र के लिए विद्यालय की स्थापना की।इस दौरान विद्यालय में पौधारोपण भी उनके पुत्र ई विजयेंद्र कुमार पटेल ने किया। रविशंकर त्रिपाठी ने कहा कि स्वर्गीय डा विरेन्द्र दास का शिक्षा से जुड़ाव बहुत ही था।वह नेक दिल इंसान थे। ध्रुव नारायण पांडेय, राकेश पटेल, मनीष पटेल, अखिलेश पासवान, आलोक कुमार,अजय वर्मा ने भी संबोधित किया। शिवशरण भारती, माधुरी पटेल, ममता गौड़, प्रियंका चौधरी,मानसी भारती,रेखा नायक आदि शिक्षक शिक्षिकाएं मौजूद रहीं।

■ पिता की प्रेरणा हमारे साथ-ई विजयेंद्र पटेल
■ नेक काम करने वाले हमेशा रहते हैं याद-बृजेश पटेल

ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि संतोष पांडेय ने मनाया गरीबों में कपड़ा वितरित कर जन्मदिन

दैनिक बुद्ध का संदेश

महराजगंज। जिले के नौतनवा विधानसभा के लक्ष्मीपुर ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि संतोष पांडेय का जन्मदिन उनके समर्थकों ने गरीब एवं असहाय लोगों को कपड़ा एवं मिष्ठान वितरित कर जन्मदिन मनाया, आपको बता दें कि आज ब्लाक पर खुद ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि संतोष पांडेय ने केक काट कर समर्थकों के साथ जन्मदिन सेलिब्रिटी किया, उसके बाद उन्होंने ने गरीब एवं असहाय लोगों को कपड़ा एवं मिष्ठान वितरित कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया, जन्मदिन के अवसर पर अरविंद पाण्डेय,पंकज त्रिपाठी महबूब खान, सिराज अहमद बीडीसी, शिवभुजा पांडेय, धीरेन्द्र पांडेय, राजेश बीडीसी, नियाज, प्रह्लाद संजय पांडे सनी पांडे राजन पांडे रामप्रकाश यादव समेत सैकड़ों समर्थकों ने संतोष पांडेय को जन्मदिन कि बधाई दी।

क्षेत्रीय मंत्री चित्रा देवी ने राज्यपाल बनाये जाने पर दी बधाई

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोरखपुर। गोरखपुर को विद्यार्थी जीवन से ही अपनी कर्मभूमि बनाने वाले और भाजपा के वरिष्ठ नेता शिवप्रताप शुक्ल के हिमांचल प्रदेश के राज्यपाल बनाये जाने के शुभ अवसर पर भाजपा महिला मोर्चा गोरखपुर परिक्षेत्र की क्षेत्रीय मंत्री चित्रा देवी ने उनके आवास पर उनसे मिलकर पुष्प गुच्छ देते हुए अपनी प्रसन्नता का इजहार किया। तथा उनके और अधिक उज्जवल राजनीतिक भविष्य की शुभकामना देते हुए उनका आशीर्वाद भी प्राप्त किया। शिवप्रताप शुक्ल ने इस अवसर पर चित्रा देवी से भाजपा की सेवा में निरंतर यूँ ही लगे रहने के लिए आशीर्वाद स्वरूप आदेशित भी किया। चित्रा देवी ने शुक्ल के राज्यपाल बनाये जाने को पूरे पूर्वांचल के लिए गौरव का प्रतीक बताते हुए गोरखपुर परिक्षेत्र के महिला मोर्चा की तरफ से खुशी का इजहार करते हुए हार्दिक बधाई दी।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के कार्यकर्ताओं ने विरोध दर्ज कराते हुए प्रदर्शन किया

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। सोमवार को भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के कार्यकर्ताओं ने पार्टी के राष्ट्रव्यापी आवाहन पर जिलाधिकारी कार्यालय पर नारेबाजी के साथ प्रदर्शन करते हुए केंद्र सरकार द्वारा पेश किए गए केंद्रीय बजट और अडानी समूह द्वारा किए गए घोटाले पर विरोध दर्ज कराया। जहां भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, मनरेगा एवं ग्रामीण विकास पर कटौती किए गए बजट को जनहित में तत्काल बढ़ाने और अडानी समूह द्वारा किए गए घोटाले की जे. पी. सी. (संयुक्त संसदीय समिति) द्वारा जांच कराने की मांग किया गया। मौके पर भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के प्रांतीय नेता व जिला सचिव कामरेड आर के शर्मा ने कहा कि मोदी सरकार द्वारा पेश जन विरोधी बजट एवं प्रमुख उद्योगपति गौतम अडानी द्वारा देश के प्रमुख बैंकों और एल आई सी से अपनी ही सेल दो लाख करोड़ रुपए की कम्पनियों द्वारा अपने शेयर की ओवर वैल्यू दिखाकर भारी कर्ज लेकर जनता के खून पसीने की गाढ़ी कमाई को लूटकर देश को कंगाल बनाने की साजिश के खिलाफ पूरे देश में भाकपा कार्यकर्ताओं द्वारा आज धरना प्रदर्शन करते हुए मांग किया जा रहा है कि शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, मनरेगा एवं ग्रामीण विकास पर कटौती किए गए बजट को जनहित में तत्काल बढ़ाया जाए। मनरेगा में काम की मांग को देखते हुए देश में कम से कम आवश्यकता है। मनरेगा में पिछले बजट के सापेक्ष केवल साठ हजार करोड़ रुपए ही आवंटित किया गया है। मनरेगा की बजट को अविलंब बढ़ाया जाए। गौतम अडानी द्वारा राष्ट्रवाद की चादर ओढ़ कर किए गए घोटाले की जे. पी. सी. (संयुक्त संसदीय समिति) द्वारा जांच कराकर जेल भेजा जाय। गौतम अडानी की सारी संपत्ति को सीज करते हुए उनका पासपोर्ट रद्द करके देश से बाहर जाने पर अविलंब रोक लगाई जाए। देश में बढ़ती मंहगाई को रोका जाए और उत्तर प्रदेश में राज्य परिवहन विभाग द्वारा अभी हाल में ही किए गए बसों के किराया वृद्धि को वापस लिया जाए। इसके साथ ही देश में नई भर्तियों पर लगी रोक को तत्काल हटाया जाए और रोजगार के नए सृजित किए जाए। जनपद की भी समस्याओं पर भी आर के शर्मा ने प्रकाश डालते हुए कहा कि जनपद सोनभद्र के आदिवासियों वनवासियों पर वन विभाग व पुलिस विभाग के द्वारा लगातार किए जा रहे शोषण उत्पीड़न पर रोक लगाई जाए और यहां वनाधिकार कानून का मुस्तैदी से पालन होना चाहिए जिससे वनाधिकार का लाभ आदिवासियों वनवासियों को मिल पाएं। उन्होंने ने जोर देकर कहा कि वर्तमान समय में जनपद के बालू मोरंग और पत्थर खनन क्षेत्रों में पर्यावरणीय, मानवीय व जलीय जीव जंतुओं को क्षति पहुंचाते हुए यहां बेखौफ चल रहे जेसीबी पोकलेन और डंपिंग (नाव) जैसी मशीनों पर तत्काल रोक लगाई जाए और मजदूरों को अधिक से अधिक रोजगार उपलब्ध कराया जाय। इस आदिवासी बाहुल्य व अतिपिछड़े जनपद में छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए एक अदद केंद्रीय कैमूर विश्वविद्यालय और लोगों को बेहतर चिकित्सा के लिए एम्स जैसे संस्थान की स्थापना कराई जाय आदि ज्वलंत मुद्दों को लेकर भाकपा अपनी आवाज को बुलंद कर रही है। इस तरह से बारह सूत्रीय मांगों का ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति महोदया के नामित भेजा गया। यदि समय रहते हुए समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो पार्टी कार्यकर्ता आम जनता को गोलबंद करते हुए बड़े स्तर पर आंदोलन करने को बाध्य होंगे। घरना प्रदर्शन के दौरान प्रमुख रूप से कामरेड आर के शर्मा, कामरेड देव कुमार विश्वकर्मा, कामरेड विजय शंकर यादव, एडवोकेट अशोक कुमार कन्नौजिया, बुद्धिराम, कामरेड नागेन्द्र मौर्य, कामरेड राम अधार कोल, कामरेड मनीष कुमार, कामरेड रवि प्रकाश, कामरेड मोनू, कामरेड बसावन गुप्ता, कामरेड अमरनाथ बिंद आदि प्रमुख रूप मौजूद रहे।

- अडानी समूह द्वारा किए गए घोटाले की जे पी सी (संयुक्त संसदीय समिति) द्वारा जांच कराया जाय, भाकपा
- शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, मनरेगा एवं ग्रामीण विकास के बजट को तत्काल बढ़ाया जाए,भाकपा

साइबर अपराध के सम्बन्ध में संवाद कर किया जागरुक

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र, डॉ0 यशवीर सिंह द्वारा स्टूडेन्ट पुलिस कैडेट प्रोग्राम के अन्तर्गत पुलिस कार्यालय भ्रमण करने आये राजकीय बालिका हाईस्कूल, पईका थाना चोपन के छात्र एवं छात्राओं को पुलिस के कार्यप्रणाली एवं पुलिस लाइन चुर्क में स्थापित सभी शाखाओं के बारे में जानकारी साझा किया गया। तत्पश्चात उनसे संवाद कर उन्हें महिलाओंध्बालिकाओं की सुरक्षा हेतु विभिन्न हेल्पलाइन नम्बरों जैसे–वुमेन पावर लाइन 1090, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, स्वास्थ्य सेवा 102, एम्बुलेंस सेवा 108 एवं अपने–अपने सीयूजी नम्बरों के बारे में विस्तृत जानकारी देकर जागरुक किया गया। वर्तमान समय मे हो रहे विभिन्न तरीकों के साइबर अपराधों के बारे में भी जानकारी दी गयी। साथ ही साथ यह भी बताया गया कि अपने आस–पास के लोगों को साइबर अपराधों के बारे में जागरुक करें और उन्हें बतायें कि यदि कोई व्यक्ति साइबर धोखाधड़ी का शिकार हो जाता है तो उसकी सूचना तत्काल साइबर हेल्पलाइन नम्बर 155260ध 1930ध112 व जनपदीय साइबर सेल के सीयूजी 7839857622 पर दें जिससें समय रहते ही अग्रिम कार्रवाई की जा सके।

यज्ञ करने से सद्गति की प्राप्ति होती है– नारायणानंद

दैनिक बुद्ध का संदेश

घोरावल,सोनभद्र। जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी नारायणानंद तीर्थ जी महाराज के पावन सानिध्य में शिवाय फाउंडेशन द्वारा आयोजित रुद्र महायज्ञ एवं शिवपुराण ज्ञान यज्ञ में उपस्थित भक्तों को सम्बोधित करते हुए बताये कि यज्ञ भगवान विष्णु का ही अपना स्वरूप है। यज्ञ करने वाले नर नारी बड़भागी होते हैं। इस लोक में उनका दुःख–दारिद्रय तो मिटता ही है, साथ ही परलोक में भी सद्गति की प्राप्ति होती है। यज्ञ में जलने वाली समिधा समस्त वातावरण को प्रदूषण मुक्त करती है। यज्ञवेदी पर गूंजने वाली वैदिक ऋचाओं का तो कहना ही क्या, अद्भुत प्रभाव डालती हैं। यज्ञ में बोले जाने वाले मंत्र व्यक्ति की मनोकामनाओं को पूर्ण करते हैं। यज्ञ से ब्रह्मवर्चस की प्राप्ति होती है। यज्ञ से शांति, सुख की प्राप्ति होती है। जो याज्ञिक हैं, वे हर बाधा को पार कर जाते हैं। यज्ञ में बोले जाने वाले हर मंत्र में शरीर को झंकृत करने की अपार शक्ति होती है। परमपिता परमेश्वर से नाता जोड़ने का अनुपम माध्यम है। यज्ञ कि यज्ञ के माध्यम से मनुष्य विद्वान बनता है, लेकिन मनुष्य को स्वयं को कुछ विशेष आहार–विहार एवं गुण–कर्म में ढालना पड़ता है। ताकि इस दौरान उसका चिंतन मनन श्रेष्ठ बना रहे। महाराज श्री ने बताया भारतीय संस्कृति में यज्ञ का बड़ा महत्व है। यज्ञ प्रकृति के निकट रहने का साधन है। रोग नाशक औषधियों से किया यज्ञ रोग निवारण वातावरण को प्रदूषण से मुक्त करके स्वस्थ रहने में सहायक होता है। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान ने भी परीक्षण करके यज्ञ द्वारा वायु की शुद्धि होकर रोग निवारण की इस वैदिक मान्यता को स्वीकार किया है। कथा के पूर्व काशी के विद्वानों द्वारा पूजन यजमानों सहित भक्त वंशीधर दुबे, अरुण दुबे, विनोद तिवारी, हिमांशु कुमार सिंह, गोपाल सिंह, ब्लॉक प्रमुख दीपक सिंह, यज्ञ नारायण पाण्डेय, ओम प्रकाश दुबे, राम आशीष दुबे, केवला प्रसाद, एच एन तिवारी, गजेंद्र प्रताप सिंह, अशोक कुमार सहित विभिन्न क्षेत्रों से आये भक्तों द्वारा सम्पन्न हुई।

20 फरवरी को होगा पूरा बख्स सराय ग्राम प्रधान पद के चुनाव का पुनः मतगणना

दैनिक बुद्ध का संदेश

अम्बेडकरनगर। उप जिला मजिस्ट्रेट टाण्डा ने आगमी 20 फरवरी को सख्त सुरक्षा के बीच टाण्डा तहसीलदार कार्यालय में खण्ड विकास अधिकारी व तहसीलदार टाण्डा के संयुक्त नेतृत्व में ग्राम प्रधान चुनाव पूरा बख्स सराय की पुनः गिनती व निरीक्षण कराने का आदेश जारी कर दिया है। बताते चलेंकि विकास खंड टाण्डा के पूरा बख्स सराय ग्राम के प्रधान पद का चुनाव वर्ष 2021 में हुआ था जहां मात्र एक मत से हार जीत हुई थी। उक्त मामले का वाद टाण्डा उप जिला मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया जहां दोनों पक्षों की बहस के बाद उप जिला मजिस्ट्रेट ने मतपत्रों के प्रतिपर्ण आदि की गिनती कराई जिसमें वादी का दावा सत्य मिला जबकि चुनाव के आरओ का शपथ पत्र भिन्न रहा जिसके बाद उप जिला मजिस्ट्रेट ने बूथ संख्या 347 की पुनः गिनती व परीक्षण कराने का आदेश पारित कर दिया है। टाण्डा उप जिला मजिस्ट्रेट ने आदेश पत्र में लिखा कि 18 जनवरी को उभय पक्ष मय विद्वान अधिवक्ता की मौजूदगी में जिला निर्वाचन कार्यालय (पंचस्थानी) से प्राप्त अभिलेख को खोला गया और प्रयुक्त मतपत्रों के प्रतिपर्ण आदि की गिनती की गई। जिसका मेमो अलग से तैयार किया गया। जो संलग्न पत्रावली है। मेमो के अनुसार कुल 296 मत पत्र बूथ संख्या 347 पर डाले गये डाले गये 296 मतों का उल्लेख याची शीला देवी और विपक्षी पुष्पा देवी द्वारा किया गया है। प्रपत्र 46 के अनुसार बूथ संख्या 347 पर 295 मत डाले जाने का उल्लेख है। जबकि प्रतिपर्ण के अनुसार 296 मत डाले गये है। इस प्रकार गिनती में एक मत कम प्रपत्र 46 में दिखाया गया है। बूथ संख्या 347 पर विपक्षी संख्या 05 को 98 मत मिलने का उल्लेख याची ने अपनी याचिका में किया है और विपक्षी ने अपनी आपत्ति में बूथ संख्या 347 पर 99 मत स्वंय को प्राप्त होने का उल्लेख किया है। विपक्षी संख्या 05 पुष्पा देवी द्वारा बूथ संख्या 347 पर एक मत कम निकलने का उल्लेख किया है और याची द्वारा 02 मत कम गिने जाने का उल्लेख किया गया है। याची शीला देवी तथा विपक्षी पुष्पा देवी के लिखित कथनानुसार बूथ संख्या 347 पर 296 मत डाले गये। जबकि गणना परिणाम प्रपत्र संख्या 46 के अनुसार बूथ संख्या 347 पर 295 मत डाले गये है। ऐसी स्थिति में डाले गये मतों की गिनतीधनिरीक्षण कर लिये जाने से स्पष्ट हो जायेगा की बाक्स में कितने मत डाले गये और किस प्रत्याशी को कितने मत प्राप्त हुए। आदेश उपरोक्त विवेचना के आधार पर ग्राम पंचायत पूराबक्सराय विकास खण्ड टाण्डा के ग्राम प्रधान चुनाव वर्ष 2021 के मतदान सम्बन्धी अभिलेख मतपत्र आदि जिला पंचायत राज अधिकारी से मंगाये जायें। सम्बन्धित अभिलेख दिनांक 20 फरवरी 2023 को समय 10 बजे तहसीलदार टाण्डा के कार्यालयध्न्यायालय में खण्ड विकास अधिकारी एंव तहसीलदार टाण्डा की उपस्थिति में कराये जाने को आदेशित किया जाता है। आदेश की एक प्रति सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचस्थानी)ध जिला पंचायत राज अधिकारी को इस निर्देश के साथ भेजी जाये कि सम्बन्धित ग्राम पंचायत का चुनाव सम्बन्धी अभिलेख मत पत्र लेकर, नियत स्थान एंव समय पर उपस्थित हो। क्षेत्राधिकारी टाण्डा को इस निर्देश के साथ प्रेषित कि उक्त समय पर पर्याप्त पुलिस बल को उपलब्धता सुनिश्चित करें। यह भी आदेशित किया जाता है कि अभिलेख मतपत्र गिनतीध निरीक्षण की सम्पूर्ण प्रक्रिया की वीडियोग्राफी करायी जाय।

मेजर ध्यानचंद स्पोर्ट्स एकेडमी के अध्यक्ष बने शिव शंकर गुप्ता

दैनिक बुद्ध का संदेश

दुद्धी/सोनभद्र। डॉ राजेंद्र प्रसाद पुस्तकालय भवन मुंसिफ कोर्ट परिसर में नंदलाल अग्रहरी एडवोकेट की अध्यक्षता में एक आवश्यक बैठक आहूत की गई। बैठक में कार्यकारिणी का 3 वर्ष कार्यकाल पूरा होने के उपरांत सर्वसम्मति से विगत बैठक में चुनाव संपादित कराए जाने की मांग के मद्देनजर बैठक संपन्न हुई। दुद्धी में खेल जगत को बढ़ावा देने के लिए मेजर ध्यानचंद स्पोर्ट्स एकेडमी हॉकी के जादूगर स्वर्गीय मेजर ध्यान चंद जीके स्मृति में जल्द ही हांकी खेल संपादित कराए जाने की रणनीति पर चर्चा हुआ इसके लिए जल्द ही कार्य योजना तैयार की जाएगी। बैठक में कमेटी को भंग करते हुए अमरनाथ द्वारा शिव शंकर गुप्ता एडवोकेट के नाम का प्रस्ताव अध्यक्ष पद हेतु लाया गया। जिसका समर्थन डॉक्टर इश्लामूलहुदा ने समर्थन किया, तत्पश्चात उपस्थित सदस्यों द्वारा करतल ध्वनि से स्पोर्ट्स के प्रति समर्पित नव मनोनीत अध्यक्ष शिव शंकर गुप्ता गुप्ता का समर्थन किया गया। उत्साहित सदस्यों द्वारा मुंह मीठा अध्यक्ष को कराया गया। इस मौके पर नंदलाल अग्रहरी एडवोकेट, अमरनाथ, डॉक्टर इश्लामूलहूदा सहित ओम कुमार, सुनील कुमार, सत्यम कुमार, रिशु कुमार, मनोज कुमार आदि उपस्थित रहे।

हिंदू धर्म से छिटके बंधुओं को पुनः हिंदू धर्म में लाये– चंपत राय

दैनिक बुद्ध का संदेश

नई दिल्ली। हिंदू धर्म से किसी भी कारण से गए बंधुओं को वापिस हिंदू धर्म में लाने के लिए ही विश्व हिंदू परिषद की स्थापना 1964 में हुई थी। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महासचिव चंपत राय ने ये उदगार झंडेवाला देवी मंदिर में एवं पंजाबी बाग में उद्योगपतियों को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महासचिव चंपत राय सभी से दुर्गा सप्तशती का पाठ हिंदी में पढ़ने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि जैसे सभी देवताओं की सम्मिलित शक्ति से देवी का प्रादुर्भाव हुआ था, वैसे ही समाज की सम्मिलित शक्ति से ही भारत पुनः विश्वगुरु बनेगा। क्षेत्रीय संगठन मंत्री मुकेश खांडेकर ने विश्व हिंदू परिषद के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए सज्जन शक्ति को एकजुट होने के लिए कहा। प्रांत अध्यक्ष कपिल खन्ना ने विश्व हिंदू परिषद दिल्ली द्वारा कोरोना काल में तथा उसके बाद किए गए सेवा कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया विश्व हिंदू परिषद दिल्ली हिंदू समाज के सर्वांगीण विकास के लिए कटिबद्ध है। हिंदू समाज के सभी बंधु चाहे वो किसी भी जाति बिरादरी के हों, उनमें एकात्म भाव जगाते हुए सामूहिक शक्ति से ही भारत विश्वगुरु बनेगा। उन्होंने कहा इसी निमित्त विश्व हिंदू परिषद द्वारा हिंदू नववर्ष के उपलक्ष्य में दीदी माँ ऋतंभरा जी की राम कथा का आयोजन नरेला में 15 मार्च से 22 मार्च तक किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि विश्व हिंदू परिषद दिल्ली द्वारा अब 4 वेद विद्यालय चलाए जा रहे हैं। इनमे श्री हनुमान संस्कृत महाविद्यालय सबसे प्राचीन है जो पिछले लगभग 40 वर्षों से भी अधिक समय से चल रहा है और रविन्द्र गुप्ता जी इस वेद विद्यालय की समिति के अध्यक्ष के नाते कार्य कर रहे हैं। इस सुअवसर पर प्रांत उपाध्यक्ष सेठ रामनिवास गुप्ता, मंत्री सुरेंद्र गुप्ता, सह मंत्री अशोक गुप्ता, कोषाध्यक्ष सुनील सूरी, सह प्रचार प्रसार प्रमुख सुमीत अलघ सहित संघ के विभाग संघचालक डा अनिल अग्रवाल तथा विहिप विभाग अध्यक्ष राकेश गोयल उपस्थित रहे।

क्रय–विक्रय समितियों के चुनाव को लेकर सपा कार्यकर्ताओं की हुई बैठक

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। समाजवादी पार्टी जिला कार्यालय पर सहकारिता विभाग के सभी क्रय–विक्रय समितियों के चुनाव को लेकर बैठक की गई जिसकी अध्यक्षता निवर्तमान जिला अध्यक्ष विजय यादव ने किया और संचालन निवर्तमान जिला महासचिव मोहम्मद सईद कुरैशी ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए निवर्तमान जिला अध्यक्ष विजय यादव ने कहा कि सहकारी समितियों के चुनाव के लिए पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई और उन्हें चुनाव के लिए लग जाने की बात कही। बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक अविनाश कुशवाहा ने कहा कि हम सभी पदाधिकारियों कार्यकर्ताओं को क्रय–विक्रय समितियों के चुनाव के लिए जी जान से लग कर काम करने की जरूरत है जिससे चुनाव को जीता जा सके। बैठक में मुख्य रूप से मोहम्मद सईद कुरैशी, राम प्यारे सिंह पटेल, अनिल प्रधान, वेद मणि शुक्ला, बाबूलाल यादव, ओम प्रकाश त्रिपाठी, फारूक अली जिलानी, रामलोचन, सुनील कुमार,जब्बार ताहिर, कन्हैया विश्वकर्मा, जटाशंकर आदि लोग उपस्थित थे।

जनपद सिद्धार्थनगर के महत्वपूर्ण नम्बर

जिलाधिकारी	मो0:– 9454417530
मुख्य विकास अधिकारी	मो0:– 9454464749
एस डीएम नौगढ़	मो0:– 9454415936
एस डीएम बांसी	मो0:– 9454415937
एस डीएम डुमरियागंज	मो0:– 9454415939
एस डीएम इटवा	मो0:– 9454415939
एस डीएम शोहरतगढ़	मो0:– 9454415940
पुलिस अधीक्षक	मो0:– 9454400305
थाना मोहाना	मो0:– 9454404239
थाना जोगिया उदयपुर	मो0:– 9454404235
थाना गोलौरा	मो0:– 9454404233
थाना पथरा बाजार	मो0:– 9454404240
थाना त्रिलोकपुर	मो0:– 9454404243
थाना उसका बाजार	मो0:– 9454404244
थाना शोहरतगढ़	मो0:– 9454404241
थाना खेसरहा	मो0:– 9454404236
थाना इटवा	मो0:– 9454404234
थाना चिल्हिया	मो0:– 9454404229
थाना ढेबरूआ	मो0:– 9454404230
थाना भवानीगंज	मो0:– 9454404228
थाना मिश्रौलिया	मो0:– 9454404238
थाना सि0नगर	मो0:– 9454404242
थाना डुमरियागंज	मो0:– 9454404232
थाना लोटन	मो0:– 9454404237
महिला थाना	मो0:– 9454404891

बुद्ध का संदेश
(हिन्दी दैनिक समाचार पत्र)
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित।
आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458
संस्थापक
स्व. के.सी. शर्मा
सम्पादक
राजेश कुमार शर्मा
9415163471, 9453824459
दैनिक बुद्ध का संदेश
9795951917,9415163471
@budhakasandesh
budhakasandeshnews@gmail.com
www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।
राष्ट्रीय दैनिक
बुद्ध का संदेश

निमोनिया क्या है? जानिए इस बीमारी के कारण, लक्षण और इलाज

निमोनिया फेफड़ों को नुकसान पहुंचाने वाला एक गंभीर रोग है। यह शिशुओं से लेकर बुजुर्गों तक, किसी को भी हो सकता है। यह रोग संक्रामक होता है और घातक भी हो सकता है, इसलिए इससे पीडिघ्त होने पर रोगी को अधिक सावधानी बरतनी होती है। आइए आज निमोनिया रोग से जुड़ी कुछ महत्वपूर्ण बातें जानते हैं ताकि इस रोग को पहचान कर इसका जल्द इलाज किया जा सके। बैक्टीरिया और वायरस से होने वाला संक्रमण है निमोनिया: निमोनिया एक संक्रामक रोग है, जिसमें सबसे ज्यादा फेफड़ों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। यह रोग वायरस, बैक्टीरिया या फंगल के संक्रमण के कारण होता है। इससे फेफड़ों में मौजूद ऊतकों में सूजन हो जाती है, जिससे उनमें मवाद या तरल पदार्थ भर जाता है। यह रोग एक या दोनों फेफड़ों में हो सकता है और इसकी जटिलताओं को दूर करने के लिए तुरंत इलाज की जरूरत होती है। निमोनिया होने के क्या कारण हैं और यह कैसे फैलता है?: निमोनिया होने का मुख्य कारण वायरस, बैक्टीरिया या फंगल का संक्रमण है। इसके अलावा कुछ अन्य बीमारियां भी हैं, जिनसे निमोनिया हो सकता है। इनमें सामान्य सर्दी, कोरोना वायरस, इंफ्लुएंजा, लेजिओनेरेस रोग और न्यूमोकोकल रोग शामिल हैं। निमोनिया अपने आप में संक्रामक नहीं होता है, लेकिन इसके बैक्टीरिया और वायरस संक्रामक होते हैं। इस वजह से यह खांसी, छींक या संक्रमित सतह से भी फैल सकता है। इसके बचाव के लिए आपको सावधान रहने की जरूरत होती है। निमोनिया के लक्षण क्या हैं?: निमोनिया से पीडिघ्त लोगों को 105 डिग्री तक तेज बुखार हो सकता है। इसके अलावा सीने और पेट में दर्द, खांसी, खून वाली खांसी, थकान महसूस करना, सांस लेने में दिक्कत, पसीना आना या ठंड लगना, दिल की धड़कन तेज हो जाना भी इस रोग के लक्षणों में शामिल समस्याएं हैं। इसमें पीडिघ्त को भूख में कमी, त्वचा या नाखूनों का नीला पड़ जाना, शरीद में दर्द और मानसिक थकावट का भी अनुभव हो सकता है। निमोनिया का इलाज क्या है?: निमोनिया का इलाज इस बात पर निर्भर करता है कि आप इसके किस प्रकार से पीडिघ्त हैं। डॉक्टर बैक्टीरिया के कारण निमोनिया होने पर एंटी–बायोटिक्स, फंगल के कारण होने पर एंटी–फंगल और वायरस के कारण होने पर एंटी–वायरल दवाएं देते हैं। इसके अलावा यदि पीडिघ्त इंसान ठीक से सांस नहीं ले पाता है तो उसे नाक या मुंह में एक ट्यूब के जरिए ऑक्सीजन थेरेपी पर रखा जाता है और खाने–पीने के लिए सिर्फ तरल पदार्थ दिया जाता है। निमोनिया से बचाव के उपाय: इस जानलेवा रोग से बचने के लिए कुछ सावधानियां बरतना जरूरी और अच्छा है। इसके लिए अपने हाथों पर बार–बार धोएं, वैक्सीनेशन करवाएं और रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाए रखने के लिए स्वस्थ खाना खाएं और एक्सरसाइज करें। इसके अलावा धूम्रपान न करें क्योंकि यह फेफड़ों पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। निमोनिया के रोगी के संपर्क में आने से बचें। यदि रोगी के आसपास हों तो मुंह पर मास्क लगाकर रखें। निमोनिया से बचाव के लिए कुछ घरेलू नुस्खे: निमोनिया से बचाव और जल्दी राहत के लिए आप कुछ घरेलू नुस्खों को भी आजमा सकते हैं। 1) गुनगुने दूध में हल्दी मिलाकर पीएं। हल्दी में कर्क्यूमिन नामक एक पोषक तत्व होता है, जो एंटी–इंफ्लेमेटरी, इम्यूनोमॉड्यूलेटरी और एंटी–बायोटिक गुणों से समृद्ध होता है। 2) मेथी की चाय पीएं। मेथी एक शक्तिशाली एंटी–ऑक्सीडेंट के रूप में काम करके जुकाम और खांसी जैसे निमोनिया के लक्षणों को कम करती है। 3) सब्जियों का जूस प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करता है।

डोनल बिष्ट ने ऑफ शोल्डर आउटफिट में दिखाया ग्लैमरस अंदाज, तस्वीरों को देखकर मदहोश हुए फैंस

एक्ट्रेस डोनल बिष्ट टेलीविजन के साथ ही सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। उनकी बोल्ड ग्लैमरस तस्वीरें फैंस के दिलों को बेताब किए रहती हैं। फैंस उनकी बोल्डनेस को लेकर

अक्सर तस्वीरों का बेसब्री से इंतजार करते रहते हैं। डोनल बिष्ट ने शॉर्ट ऑफ शोल्डर ड्रेस पहनकर ग्लैमरस अंदाज में बेहद ही कूल फोटोशूट करवाया है। डोनल बिष्ट इस लुक में इतनी बोल्ड और हॉट नजर आ रही हैं, उनकी तस्वीरें देखकर फैंस बेताब हुए हैं। ग्लैम मेकअप और ओपन हेयर स्टाइल के साथ एक्ट्रेस डोनल बिष्ट गजब की बला लग रही हैं। एक्ट्रेस डोनल बिष्ट ने बेहद ही कम समय में टीवी इंडस्ट्री में अपनी खास जगह बनाई हैं। उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर कहर बरपाती हैं। एक्ट्रेस डोनल बिष्ट ने कई सीरियल्स में काम किया है। एक दीवाना था सीरियल से लोगों के दिलों पर पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस अपनी खूबसूरती से लोगों को अपना दीवाना बना रहा है। एक्ट्रेस डोनल बिष्ट एमएक्स प्लेयर की सीरीज तू जख्म हैमें नजर आ चुकी हैं। इसके साथ ही एक्ट्रेस डोनल बिष्ट बिग बॉस 15 में नजर आई थी। हालांकि, वो शो में ज्यादा नहीं टिक सकीं। डोनल बिष्ट सोशल मीडिया पर अपने फैंस के लिए निजी और प्रोफेशनल पलों को साझा करती रहती हैं। उनकी तस्वीरें देखकर फैंस क्रेजी हो रहे हैं। डोनल बिष्ट के इंस्टाग्राम पर 1.5 मिलियन फॉलोवर्स हैं।

मनोज बाजपेयी, शर्मिला टैगोर की गुलमोहर का ट्रेलर जारी, दिखी उलझे हुए परिवार की भावुक कहानी

मनोज बाजपेयी और शर्मिला टैगोर की फिल्म गुलमोहर बीते कुछ दिनों से चर्चा में है। मनोज ने फिल्म का पोस्टर शेयर करते हुए लिखा था कि इस होली पर वह अपने परिवार से मिलाने जा रहे हैं। फिल्म से शर्मिला टैगोर अभिनय की दुनिया में वापसी कर रही हैं और इस वजह से यह फिल्म चर्चा में है। अब शनिवार को फिल्म का ट्रेलर जारी कर दिया गया है। यह एक परिवार के जुड़े रहने के संघर्षों की कहानी है। ट्रेलर की शुरुआत होती है एक बड़े पारिवारिक कार्यक्रम से। इस कार्यक्रम के बीच में शर्मिला का किरदार अपने घरवालों को बताती है कि उसने अपना एक मकान ले लिया है और अब वह वहीं रहेंगी। इसके बाद शुरू होता है फैमिली ड्रामा। एक छत के नीचे रहते हुए घर के हर सदस्य को एक–दूसरे से शिकायत है। साथ ही हर किसी को इसका दुख भी है कि जिंदगी की आपाधापी में कैसे सब एक–दूसरे से दूर हो गए। गुलमोहर 3 मार्च को डिज्नी हॉटस्टार पर रिलीज होगी। फिल्म का निर्देशन राहुल चितेला ने किया है। मीडिया से बातचीत में शर्मिला ने कहा था, गुलमोहर एक पारिवारिक कहानी है, जिससे हर कोई जुड़ा हुआ महसूस करेगा। यह परंपराओं और आधुनिकता के बीच बैलेंस पर आधारित है। इसमें दिखाया जाएगा कि कैसे इनके बीच की जगह आप प्यार की गरमाहट से भर सकते हैं। मुझे इस फिल्म के डिज्नी हॉटस्टार पर आने के बाद लोगों की प्रतिक्रियाओं का इंतजार है। मनोज ने फिल्म के बारे में कहा था, गुलमोहर के साथ मैंने एक नई चुनौती ली है। यह उससे अलग है, जो मैं आमतौर पर करता आया हूं। गुलमोहर एक ऐसी फिल्म है, जो प्यार, परवाह और आराम से भरी हुई है। यह एक परिवार के अलग–अलग रिश्तों पर आधारित है। यह एक मकान के घर बनने की कहानी है। मैं इसका बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं क्योंकि यह परिवार के साथ देखने के लिए बेहतरीन फिल्म है। गुलमोहर के अलावा दर्शकों को मनोज बाजपेयी की द फैमिली मैन के तीसरे सीजन का इंतजार है। अमेजन प्राइम पर इस वेब सीरीज के पिछले दो सीजन काफी लोकप्रिय हुए हैं। वहीं शर्मिला के प्रशंसक भी उनके डिजिटल डेब्यू को लेकर उत्साहित हैं। शर्मिला 60–70 के दशक में एन ईवनिंग इन पेरिस (1967), आराधना (1969), सत्यकाम (1969), सफर (1970), अमर प्रेम (1971), छोटी बहू (1971), दाग (1973), चुपके–चुपके (1975), मौसम (1975) जैसी सदाबहार फिल्मों में काम कर चुकी हैं।

बोनी कपूर ने दिग्गज अभिनेत्री श्रीदेवी पर बायोग्राफी की घोषणा की

फिल्म निर्माता बोनी कपूर ने अपनी दिवंगत पत्नी और दिग्गज अभिनेत्री श्रीदेवी की बायोग्राफी द लाइफ ऑफ ए लीजेंड की

घोषणा की। उन्होंने इसकी घोषणा सोशल मीडिया के जरिए की। बोनी ने कहा, श्रीदेवी प्रकृति की ताकत थीं। जब उन्होंने अपनी कला को पर्दे पर अपने प्रशंसकों के साथ साझा किया तो वह सबसे ज्यादा खुश थीं, लेकिन वह एक नितांत निजी व्यक्ति भी थीं। पुस्तक धीरज कुमार द्वारा लिखी गई है, जिन्हें अभिनेत्री परिवार का सदस्य मानती थी। उन्होंने आगे कहा, धीरज कुमार वह हैं जिन्हें वह परिवार की तरह मानती थीं। वह एक शोधकर्ता, लेखक और स्तंभकार हैं। हमें खुशी है कि वह किताब लिख रहे हैं जो उनके असाधारण जीवन के अनुकूल है। यह पुस्तक भारतीय सिनेमा में बेजोड़ करियर रखने वाली सुपरस्टार श्रीदेवी का पूरा चित्र प्रस्तुत करती है। उन्होंने तमिल, तेलुगू, मलयालम, कन्नड़ और हिंदी में 50 वर्षों में 300 से अधिक फिल्मों में काम किया। उन्हें पद्म श्री से सम्मानित किया गया, उन्होंने राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार, राज्य सरकार पुरस्कार और अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार जीते।

क्या स्किन ब्लीचिंग सुरक्षित है? जानिए त्वचा को चमकदार बनाने के 5 सुरक्षित तरीके

ब्लीचिंग त्वचा से काले धब्बे हटाने, असमान रंग को एक जैसा करने और चमकदार बनाने का एक प्रभावी तरीका है, लेकिन यह त्वचा के लिए सुरक्षित नहीं है। इसका कारण है कि ब्लीच हानिकारक रसायनों से बनी होती है और इससे त्वचा को अंदर तक नुकसान पहुंच सकता है। ऐसे में आइए आज हम आपको त्वचा को चमकदार बनाने के लिए पांच अन्य सुरक्षित तरीकों के बारे में बताते हैं। ब्लीच के इस्तेमाल से त्वचा को होने वाले नुकसान: बाजार में बिकने वाली अधिकतर ब्लीच हाइड्रोक्विनोन, मरकरी (एचजी) और स्टेरॉयड जैसे रसायन से युक्त होती हैं। ऐसे में इसके इस्तेमाल से मरकरी विषाक्तता, त्वचा की सूजन, चकत्ते, खुजली, नीले और काले रंग की झाइयां, दर्दनाक मुंहासें, ब्लैकहेड्स और नेफ्रोटिक सिंड्रोम होने जैसे गंभीर दुष्प्रभाव पैदा हो सकते हैं। कई अध्ययनों के मुताबिक, रसायन युक्त ब्लीच हाइड्रोक्विनोन डीएनए को नुकसान पहुंचाने के साथ इम्यूनिटी में कमी लाने का भी कारण बन सकती है। योगर्ट से आएगी चेहरे पर चमक: योगर्ट में मौजूद लैक्टिक एसिड त्वचा को चमकदार बनाने में मदद कर सकता है और इसमें त्वचा को सामान्य रखने वाले प्रभाव भी होते हैं। लाभ के लिए एक चम्मच योगर्ट में एक चुटकी हल्दी मिलाकर इसका पेस्ट बनाए और फिर उसे अपनी त्वचा पर लगाएं। 15–30 मिनट के बाद त्वचा को साफ पानी से धो लें। आप चाहें तो त्वचा को मॉइस्चराइज करने के लिए इस मिश्रण में शहद भी मिला सकते हैं। नींबू भी है प्रभावी: नींबू में मौजूद विटामिन– सी त्वचा को हाइड्रेट करने के साथ उस पर चमक भी ला सकता है। लाभ के लिए एक कप डिस्टिल्ड वॉटर में एक बड़ी चम्मच नींबू का रस मिलाएं और इसे टोनर के रूप में चेहरे पर लगाकर 10–15 मिनट बाद धो लें। अगर आपकी त्वचा संवेदनशील है तो इस उपाय से बचें, क्योंकि इससे लालिमा और जलन हो सकती है। इस उपाय का उपयोग करने के बाद बाहर निकलने से पहले सनस्क्रीन लगाएं। टमाटर का करें इस्तेमाल: टमाटर का इस्तेमाल त्वचा को सूरज की हानिकारक पैराबेंगनी (यूवी) किरणों के प्रभाव से बचाने के साथ–साथ इसे निखारने में मदद कर सकता है। लाभ के लिए आप अपने दैनिक आहार में टमाटर को शामिल कर सकते हैं या इसे घरेलू उपचार के तौर पर इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए एक चम्मच टमाटर के पेस्ट में एक चुटकी हल्दी और थोड़ा दूध मिलाएं, फिर इसे अपने चेहरे पर लगाएं और इसे 20–30 मिनट बाद धो लें। बेसन कर सकता है मदद: बेसन अपने सौंदर्य लाभों के लिए सबसे अधिक इस्तेमाल की जाने वाली घरेलू सामग्रियों में से एक है। यह रंगत को निखारने के लिए त्वचा को अच्छी तरह से एक्सफोलिएट करके साफ कर सकता है। लाभ के लिए एक बड़ी चम्मच बेसन में गुलाब जल मिलाएं और इस पेस्ट को अपने चेहरे पर लगाएं। जब यह सूख जाए तो चेहरे को गुनगुने पानी से धो लें। इस उपाय का इस्तेमाल हफ्ते में तीन बार करें। सफेद चंदन से होगा फायदा: सफेद चंदन का त्वचा पर ठंडक और सुखदायक प्रभाव पड़ता है और यह विशेष रूप से चेहरे से दाग–धब्बों और मुंहासों के निशान को कम करने में मदद कर सकता है, जिससे त्वचा पर निखार आता है। लाभ के लिए एक चम्मच सफेद चंदन के पाउडर में एक चम्मच शहद मिलाएं और इस पेस्ट को अपनी चेहरे पर लगाएं, फिर 20 मिनट के बाद चेहरे को धो लें।